E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

# आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNINO.UPHIN/2015/63398

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -174 | प्रयागराज, शुक्रवार 10 अक्टूबर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

## तालिबान के समर्थन में भारत-पाकिस्तान आए साथ कहा- ट्रम्प का अफगानिस्तान में मिलिट्री बेस बनाना गलत

मॉस्को। भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की उस योजना का विरोध किया है, जिसमें उन्होंने अफगानिस्तान से बगराम एयरबेस वापस लेने की बात कही थी। इस मुद्दे पर तालिबान, पाकिस्तान, चीन और रूस ने भारत का सपोर्ट किया है। यह बयान मंगलवार को मॉस्को में हुई 'मॉस्को फॉर्मेट कंसल्टेशंस' की बैठक के बाद आया, जिसमें भारत, अफगानिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के प्रतिनिधि शामिल थे। मॉस्को फॉर्मेट के बयान में कहा गया- किसी भी देश को अफगानिस्तान या उसके पड़ोसी देशों में अपनी सैन्य सुविधाएं बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए ठीक नहीं है। हालांकि बयान में बगराम का नाम नहीं लिया गया, लेकिन यह ट्रम्प की योजना के खिलाफ साफ संदेश था। भारत की तरफ से विदेश मंत्रालय में अफगानिस्तान और पाकिस्तान मामलों के डिप्टी सेक्रेटरी जेपी सिंह इस बैठक शामिल हुए थे। मॉस्को बैठक में यह भी कहा गया कि अफगानिस्तान को एक स्वतंत्र, एकजुट और शांतिपूर्ण देश बनाना चाहिए। सभी देशों ने आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने और अफगानिस्तान से आतंकवादी खतरों को खत्म करने की बात कही। बैठक में तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी ने पहली बार अफगान प्रतिनिधि के रूप में हिस्सा लिया। भारत ने अफगानिस्तान में क्षेत्रीय

कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने की भी वकालत की। बैठक में अफगानिस्तान के साथ व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, गरीबी कम करने और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहयोग की बात भी हुई। ट्रम्प ने हाल ही में कहा था कि वे अमेरिका का बनाया हुआ बगराम एयरबेस वापस चाहते हैं। उन्होंने 18 सितंबर को ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हमने इसे तालिबान को मुफ्त में दे दिया, अब हम इसे वापस लेंगे। ट्रम्प ने अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर भी लिखा था कि अगर अफगानिस्तान बगराम नहीं देगा, तो बुरा अंजाम होगा। हालांकि तालिबान ने इससे साफ इनकार चुका है। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि हम अपनी जमीन किसी को नहीं देंगे। 2021 में अमेरिकी सेनाओं ने अफगानिस्तान से वापसी की थी। यह वापसी जो बाइडेन प्रशासन के समय हुई थी। इसके बाद तालिबान ने बगराम एयरबेस और काबुल की सरकार पर कब्जा कर लिया। ट्रम्प ने बाइडेन के इस फैसले की कई बार आलोचना की है। उन्होंने कहा कि वह कभी बगराम नहीं छोड़ते। ट्रम्प ने मार्च, 2025 में कहा था कि वह बगराम को रखना चाहते थे। इसका कारण चीन की निगरानी करना और अफगानिस्तान के खनिज संसाधनों तक पहुंचना है। ट्रम्प पहले भी कई जगहों पर अमेरिकी कब्जे की बात कर चुके हैं। उन्होंने पनामा नहर और ग्रीनलैंड जैसे क्षेत्रों का जिक्र किया था। बगराम पर उनकी नजर कई सालों से है। बगराम एयरबेस अफगानिस्तान का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाना रहा है। यह अफगानिस्तान के सेंटर में है, जहां से पूरे देश में आसानी से ऑपरेशन चलाए जा सकते हैं। साल 2001 में तालिबान शासन गिरने के बाद अमेरिका और नाटो सेनाओं ने बगराम को अपना सबसे बड़ा बेस बना लिया। यहीं से अफगानिस्तान में आतंकवाद विरोधी और सैन्य अभियान चलते थे। यहां लंबा रनवे, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और मरम्मत सुविधाएं थीं। अमेरिका के लड़ाकू विमान, ड्रोन और हेलिकॉप्टर यहीं से उड़ते थे। बगराम में एक बड़ा डिटेंशन सेंटर भी था, जहां आतंकी और संदिग्ध कैद किए जाते थे। इसे 'बगराम जेल' कहा जाता था। यह ठिकाना अमेरिका की अफगानिस्तान में मौजूदगी का प्रतीक था। 2021 में जब अमेरिकी सेना ने अचानक इसे खाली किया, तो यह तालिबान की बड़ी जीत मानी गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प की चेतावनी के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि बगराम को दोबारा लेना आसान नहीं होगा। इसके लिए 10 हजार से ज्यादा सैनिकों की जरूरत होगी। उन्नत हवाई रक्षा प्रणालियां भी लगानी होंगी। यह एक तरह से अफगानिस्तान पर फिर से आक्रमण जैसा होगा। एयरबेस की सुरक्षा भी चुनौती होगी।

## जहरीला कफ सिरप बनाने वाली कंपनी का डायरेक्टर चेन्नई से गिरफ्तार,दवा से अब तक 24 बच्चों की मौत

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत का कारण बने कोल्ड्रिफ

कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मा के डायरेक्टर गोविंदन रंगनाथन की गिरफ्तारी हो गई है। मामले में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई एसआईटी की टीम ने बुधवार रात चेन्नई में दबिश देकर रंगनाथन को पकड़ा। एसआईटी ने कंपनी से महत्वपूर्ण दस्तावेज, दवाओं के नमूने और प्रोडक्शन रिकॉर्ड भी जब्त किए हैं। रंगनाथन पर 20 हजार रुपए का इनाम था। वह अपनी पत्नी के साथ फरार चल रहा था। चेन्नई में रंगनाथन का चेन्नई-बेंगलुरु राजमार्ग पर स्थित 2,000 वर्ग फुट का अपार्टमेंट सील कर दिया गया था, जबकि कोडम्बक्कम स्थित उनका रजिस्टर्ड ऑफिस बंद मिला था। उधर, कफ सिरप पीने के बाद किडनी फेल होने से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। बुधवार (8 अक्टूबर) की दरमियानी रात छिंदवाड़ा की उमरेठ तहसील के पचधार गांव के 3 वर्षीय मयंक सूर्यवंशी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह 25 सितंबर से नागपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती था। इस बीच कोल्ड्रिफ सिरप की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। तमिलनाडु डायरेक्टर ऑफ ड्रग्स कंट्रोल की रिपोर्ट में सामने आया है कि यह सिरप नॉन फार्मास्यूटिकल ग्रेड केमिकल से तैयार किया गया था। जांच के दौरान कंपनी के मालिक ने मौखिक रूप से स्वीकार किया है कि उसने दो बार में प्रोपलीन ग्लायकॉल के 50 किलो के दो बैग खरीदे थे। यानी कंपनी ने 100 किलो जहरीला केमिकल खरीदा था। जांच में इसका न कोई बिल मिला है, न खरीद की एंट्री की गई। पूछताछ में जांच अधिकारियों को बताया गया कि भुगतान कभी कैश तो कभी गूगल पे से किया था।

## ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलेंगी,ब्रिटिश पीएम और पीएम मोदी की बैठक में ट्रेड समझौता

नयी दिल्ली। ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलेंगी। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने मुंबई में यह ऐलान किया। स्टार्मर और

पीएम मोदी ने गुरुवार सुबह हुई बातचीत में ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन किए। इसके बाद पीएम मोदी ने कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच आयात आसान होगा। इससे कारोबार बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। पीएम मोदी ने स्टार्मर के साथ द्विपक्षीय बातचीत में व्यापार, सुरक्षा, तकनीक और शिक्षा जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने 'विजन 2030' के तहत भारत-ब्रिटेन के रिश्तों को मजबूत बनाने पर जोर दिया। इसके बाद मोदी और स्टार्मर जियो वर्ल्ड सेंटर जाएंगे। यहां ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 में हिस्सा लेंगे। ये दुनिया का सबसे बड़ा फिनटेक इवेंट है। स्टार्मर के दो दिवसीय भारत दौरे का आज आखिरी दिन है। स्टार्मर ने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है कि हम भारत की आर्थिक और वित्तीय राजधानी मुंबई में मिल रहे हैं, क्योंकि भारत की विकास गाथा उल्लेखनीय है। मैं प्रधानमंत्री को उनके नेतृत्व के लिए बधाई देना चाहता हूं।' उन्होंने आगे कहा- भारत का लक्ष्य 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है। मोदी का विजन इसे 2047 तक पूरी तरह से विकसित देश बनाना है। जब से मैं यहां आया हूं, मैंने जो कुछ भी देखा है, उससे ये साबित होता है कि इसमें सफलता की राह पर हैं। स्टार्मर ने कहा, 'हम इस यात्रा में भागीदार बनना चाहते हैं। इसीलिए मैं इस सप्ताह अपने साथ रिकॉर्ड 126 ब्रिटिश व्यवसायों को भारत लाया हूं।' स्टार्मर ने कहा, 'हम भविष्य पर केंद्रित एक नई आधुनिक साझेदारी बना रहे हैं और अवसरों का लाभ उठा रहे हैं। हम इसे एक साथ कर रहे हैं। यही कारण है कि हमने जुलाई में यूके-भारत व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता किया। उन्होंने कहा- इसमें टैरिफ में कमी, विकास को गति देने और हमारे लोगों के लिए रोजगार पैदा करने और हमारे देशों में जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक-दूसरे के बाजारों तक पहुंच बढ़ाना शामिल है। पीएम स्टार्मर ने कहा कि जुलाई में ब्रिटेन में पीएम मोदी की मेजबानी करना उनके लिए सम्मान की बात थी। फिर कुछ ही महीनों बाद भारत की यात्रा कर उन्हें बहुत खुशी हो रही है।ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा, 'ब्रिटेन और भारत टेक्नोलॉजी और नवाचार के क्षेत्र में दुनिया में आगे हैं। इसलिए, हमने अपनी तकनीक और सुरक्षा पहल के जरिए अपने सहयोग को गहरा किया है।

## मायावती बोलीं- मैं किसी से छिपकर नहीं मिलती,योगी की तारीफ की सपा को दोगला बताया,बसपा में आजम पर दिया जवाब

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने 9 साल बाद लखनऊ में शक्ति प्रदर्शन किया। उन्होंने मंच से सीएम योगी की तारीफ की। सपा को दोगला बताया। कहा- जैसे ही कुर्सी इनके हाथ से जाती है, ये खुद को सामाजिक न्याय का सबसे बड़ा ठेकेदार बताने लगते हैं। जनता अब इनके दोहरे और स्वार्थी रवैये को अच्छी तरह समझ चुकी है। मायावती ने आजम खान के बसपा जॉइन करने की अटकलों पर भी पहली बार जवाब दिया। कहा- मैं ऐसे किसी से छिपकर नहीं मिलती, जब भी मिलती हूं, खुले में मिलती हूं। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद पर बिना नाम लिए निशाना साधा। कहा-बसपा के वोट को काटने के लिए स्वार्थी और बिकाऊ किस्म के लोगों का इस्तेमाल किया जा रहा। ऐसी बिकाऊ पार्टियों को अपना एक भी वोट नहीं देना है। मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाने का ऐलान किया। मायावती ने करीब 1 घंटे तक रैली को संबोधित किया। कहा- सत्ता की चाबी अपने हाथ में लेनी होगी, तभी दलितों का विकास होगा। इससे पहले, लखनऊ में ही बसपा की आखिरी बड़ी रैली 9 अक्टूबर 2016 को हुई थी। मायावती, भतीजे आकाश के साथ मंच पर पहुंचीं। कांशीराम की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। मंच पर पहुंचते ही रैली में आए समर्थकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। आकाश आनंद ने रैली को संबोधित करते हुए कहा- जिस तरह की भीड़ उमड़ी है। इसके साफ संकेत है कि 2027 में पांचवीं बार बसपा सरकार बनने जा रही है। अंबेडकर मैदान में हो रही रैली में बिहार, पंजाब, हरियाणा समेत 5 राज्यों से लाखों

समर्थक पहुंचे हैं। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल है। इसके चलते 5 किमी एरिया में जाम जैसी स्थिति देखने को मिले। बसपा 2012 में यूपी की सत्ता से बाहर हुई। इसके बाद पार्टी का ग्राफ लगातार गिरता गया। 2022 के चुनाव में सिर्फ एक विधानसभा सीट जीत पाई। वहीं, 2024 के लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता नहीं खुला। राजनीतिक जानकार कहते हैं- अर्श से फर्श का सफर तय करने वाली बसपा को इस कार्यक्रम से बड़ी संजीवनी मिल सकती है। अंबेडकरनगर से आए अमृतलाल गौतम ने शायराना अंदाज में कहा कि जिगर में जो भी अरमा था, वही मुंह से बताना है, बहन जी मुख्यमंत्री थीं, उन्हें पीएम बनाना है। मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाने का ऐलान किया। कहा- आकाश आनंद आज की तारीख में मोमेंट से जुड़ चुके हैं। यह पार्टी के लिए शुभ संकेत है। आकाश मेरे दिशानिर्देश में काम करेंगे। जिस प्रकार से काशीराम ने मुझे आगे बढ़ाया, उसी तरह मैं आकाश आनंद को आगे बढ़ने का निर्णय लिया है। लोग हर हाल में इनका साथ देंगे। आनंद कुमार भी इनकी मदद करते रहे हैं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाकर पार्टी की जिम्मेदारी सौंप रही हूं। सतीश चंद्र मिश्र और उनके बेटे कपिल मिश्रा की भी तारीफ की। इकलौते विधायक उमाशंकर शंकर की भी तारीफ की। प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल पिछड़ों को पार्टी से जोड़ रहे हैं, जहां भी बहुजन समाज के लोगों से जुल्म होता है, वहां जाकर न्याय दिलाने का काम करते हैं। जमील अख्तर और लखनऊ मंडल के पदाधिकारी को सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए बधाई के पात्र हैं।आजम खान के बसपा जॉइन करने के अफवाहों पर मायावती ने पहली बार जवाब दिया है। उन्होंने कहा- पिछले महीने से अफवाह फैलाना शुरू कर दिया कि दूसरी पार्टी के नेता पार्टी में शामिल हो रहे हैं। दिल्ली में मुलाकात भी हो गई है। मुझे तो अब तक ऐसा कुछ नहीं पता। मैं ऐसे किसी से छिपकर नहीं मिलती, जब भी मिलती हूं खुले में मिलती हूं।

## अखिलेश यादव और आजम खां की मुलाकात पर कांग्रेस ने दी प्रतिक्रिया

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पार्टी नेता आजम खान से रामपुर स्थित उनके आवास

पर मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद तमाम तरह की चल रही चर्चाओं पर विराम लग गया है। आजम खान के जेल से छूटने के बाद उनके बसपा में जाने की भी चर्चा चल रही थी। वहीं आजम खान और अखिलेश यादव के बीच हुई मुलाकात पर कांग्रेस पार्टी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। यूपी कांग्रेस प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने कहा कि इस मुलाकात के बाद उन लोगों को जवाब मिल गया है, जो अफवाह फैलाने का काम कर रहे थे। दरअसल, सपा नेता व पूर्व मंत्री आजम खान को उनके खिलाफ सभी मामलों में जमानत मिलने के बाद 23 सितंबर को सीतापुर जेल से रिहा कर दिया गया था। उनके जेल से बाहर आने के बाद से बसपा में जाने की चर्चाएं चल रही थी। इसी बीच बुधवार को अखिलेश यादव ने रामपुर जाकर आजम खान से मुलाकात की है। इस मुलाकात पर यूपी कांग्रेस प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने कहा कि आजम खान समाजवादी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता हैं और 10 बार के विधायक हैं, इसके बावजूद उनके ऊपर बीजेपी सरकार में अत्याचार हुए हैं। अंशु अवस्थी ने कहा कि आजम खान पर डकैती के मुकदमे लिखाए गए हैं, इससे ज्यादा कुछ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं हो सकता है। ऐसे में उनका दुख दर्द साझा करने के लिए अखिलेश यादव रामपुर गए थे। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि यह उन लोगों के लिए जवाब है जो भ्रामकता फैला रहे थे कि आजम खान दूसरी पार्टी में जा रहे हैं और आजम खान अखिलेश यादव से नाराज हैं। अंशु अवस्थी ने कहा कि आजम खान और अखिलेश यादव की मुलाकात के बाद तमाम सवालों का जवाब लोगों को मिल गया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी यह जान ले कि इतने अत्याचार के बाद भी इंडिया गठबंधन और इंडिया गठबंधन के नेताओं को झुका नहीं पाई है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि 2027 विधानसभा चुनाव में प्रदेश का किसान, नौजवान, दलित, पिछड़ा, मुस्लिम और युवा आजम खान पर हुए अत्याचार का जवाब देगा। यही लोग बीजेपी को सत्ता से बाहर करेंगे और इंडिया गठबंधन की सरकार बनाएंगे। वहीं आजम खान से मुलाकात करने के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि मैं उनसे (आजम खान) मिलने आया हूं। आजम खान साहब बहुत पुराने नेता हैं। उनका गहरा साया हमेशा हमारे साथ रहा है। यह बड़ी लड़ाई है और उसमें हम सब मिलकर लड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि 2027 में हमारी सरकार बनने जा रही है और पीडीए की आवाज बुलंद होगी।

## कानपुर में स्कूटी नहीं, गत्ते में हुआ था धमाका,सीसीटीवी/एटीएस/ और मिलिट्री इंटेलिजेंस ने जांच की,पुलिसकर्मीयों पर गिरी गाच

कानपुर। कानपुर में बिसाती बाजार में बुधवार शाम को हुए

विस्फोट में पुलिसवालों पर बड़ा एक्शन हुआ है। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने कोतवाली एसीपी को हटाने के साथ थानाध्यक्ष और चौकी प्रभारी सहित आधा दर्जन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। विस्फोट का भी सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, ये धमाका स्कूटी से नहीं बल्कि दुकान के बाहर रखे गत्ते से हुआ था। जांच टीम ने बताया कि दुकान के बाहर गत्ते में पटाखे रखे हुए थे। मस्जिद के पास पटाखों की वजह से विस्फोट हुआ। इस विस्फोट में 8 लोग घायल हुए थे। धमाके की सूचना के बाद यूपी पुलिस मुखिया का ऑफिस और गृह विभाग दोनों सक्रिय हो गए थे। मौके पर देर रात में ही जांच एजेंसियां आतंकवाद निरोधी दस्ता एटीएस और मिलिट्री इंटेलिजेंस की टीम पहुंच गई। टीम ने इनपुट जुटाए। पटाखों से विस्फोट की बात सामने आने के बाद देर रात पुलिस कमिश्नर ने सर्च ऑपरेशन चलाया। सर्च में दुकानों में स्टोर किए गए अवैध पटाखे मिले। पटाखों को जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने अवैध पटाखों के साथ 12 लोगों को भी अरेस्ट किया है। उधर, धमाके के बाद अफरातफरी और मदद की गुहार लगाती एक घायल महिला का भी वीडियो सामने आया है। दरअसल, मूलगंज के बिसाती बाजार में बुधवार को हुए ब्लास्ट के बाद यह कहा गया कि स्कूटी में ब्लास्ट हुआ है। यह सूचना आने के बाद डीजीपी ऑफिस के साथ ही गृह विभाग ने भी मामले को संज्ञान में लिया। ब्लास्ट की सूचना के बाद एटीएस और मिलिट्री इंटेलिजेंस के अलावा अन्य जांच एजेंसियां भी सक्रिय हो गईं। जांच एजेंसियों ने सबूत जुटाए। हालांकि, मौके पर पहुंची जांच टीम ने देर रात एक्शन चेक किया तो यह स्पष्ट हुआ कि दुकान के बाहर रखे एक गत्ते में अचानक तेज चिंगारी निकली और फिर तेज धमाका हुआ। जांच में सामने आया कि दुकान के बाहर गत्तों में पटाखे बेचे जा रहे थे। उसी में ब्लास्ट हुआ। पुलिस के अनुसार, दिवाली के पहले बिसाती बाजार पटाखों का बड़ा बाजार बन जाता है। यहां की दुकानों में अवैध ढंग से बड़ी मात्रा में पटाखों को स्टोर किया जाता है। धमाके की वजह पता चलने के बाद पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने सर्च एंड सीजर ऑपरेशन चलाकर दुकानों की तलाशी करवाई। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने इस मामले में बड़ा एक्शन लिया है। उन्होंने मूलगंज थाना प्रभारी विक्रम सिंह, चौकी प्रभारी रोहित तोमर, कॉन्स्टेबल चेतन कुमार, अमित कुमार, ब्रह्मानंद और हेड कॉन्स्टेबल इमामुल हक को सस्पेंड किया है। कोतवाली क्षेत्र के एसीपी आशुतोष कुमार को भी हटा दिया गया है। एडिशनल सीपी आशुतोष कुमार ने बताया- पहले तो हम लोगों को लग रहा था कि स्कूटी में बम प्लांट किया गया है, लेकिन जांच के बाद धीरे-धीरे तस्वीर साफ हो गई। एटीएस, मिलिट्री इंटेलिजेंस समेत अन्य जांच एजेंसियां भी मौके पर पहुंचीं। फोरेंसिक टीम को जांच के दौरान लो एक्सप्लोसिव मिला है।

## सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर प्रयागराज में प्रदर्शन

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित पत्थर गिरिजाघर धरना स्थल पर नागरिक समाज इलाहाबाद ने विरोध प्रदर्शन किया। मशहूर शिक्षाविद् और पर्यावरणविद सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए/रासुका) के तहत गिरफ्तार किए जाने को लेकर नागरिक समाज ने इस कार्रवाई को 'अलोकतांत्रिक' और 'खतरनाक' करार दिया है। ?प्रदर्शनकारियों ने सीधे तौर पर केंद्र की भाजपा सरकार पर वादाखिलाफी और स्थानीय संसाधनों को बड़े कॉर्पोरेट घरानों को सौंपने का गंभीर आरोप लगाया है। ?अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के महासचिव डॉ. आशीष मित्तल ने कहा कि लद्दाख में एक आंदोलन चल रहा था। जिसमें अलग राज्य की मांग थी और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग की गई थी। यह इलाका आदिवासी क्षेत्र है और अनुसूची छह के तहत लोकल बॉडीज को जमीन और

प्रकृति पर प्राधिकार मिलता है ताकि उनकी अनुमति के बिना किसी कंपनी को जगह न दी जाए। ?डॉ. मित्तल बोले कि सोनम वांगचुक एक शांतिप्रिय आंदोलन चला रहे थें। यहाँ तक कि भूख हड़ताल पर भी बैठे थे। वांगचुक ने लद्दाख के विकास के लिए कई काम किए हैं। जैसे जल संग्रह के लिए बर्फ का पिंड बनवाना और सैनिकों के लिए सोलर टेंट बनाना। ?उन्होंने कहा, 'उस आंदोलन में जब थोड़ी हिंसक कार्रवाई हुई तो उनको राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) में खतरा बताकर जेल में डाल दिया गया है।नागरिक समाज का आरोप है कि इस कार्रवाई के पीछे सरकार की नीयत ठीक नहीं है। पूरे लद्दाख के एरिया को सोलर पार्क बनाने के लिए अडानी को दिया जा रहा है। वहाँ रेयर अर्थ एलिमेंट्स के लिए अडानी, अंबानी, टाटा और बहुत सारी कंपनियों को खदान बनाने की जगह दी जानी है। ? इन प्रोजेक्ट्स से वहाँ का पर्यावरण और जलवायु प्रभावित होगा। पशुपालक किसानों की आजीविका का आधार, यानी हरियाली, खत्म हो जाएगी।

## हिस्ट्रीशीटर हत्याकांड में एक और गिरफ्तार,मुख्य आरोपी समेत 10 की अब भी तलाश

प्रयागराज अल्लापुर में हिस्ट्रीशीटर साजन मेहतर की

हत्या मामले में पुलिस को एक और सफलता मिली है। पुलिस ने प्रिंस भारतीय को भी गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ पहले से पांच आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पूछताछ में प्रिंस ने स्वीकार किया कि घटना की रात वह अपने साथियों के साथ मौके पर मौजूद था। फिलहाल मुख्य आरोपी सिकंदर पासी समेत 10 अन्य आरोपी अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। उनकी तलाश में पुलिस और एसओजी की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। बताया जा रहा है कि छापेमारी प्रयागराज से लेकर कौशांबी तक जारी है।। इस मामले में चार आरोपियों की गिरफ्तारी पहले हो चुकी है। एडीसीपी नगर पुष्कर वर्मा ने बताया कि फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। पुलिस को उनके कई ठिकानों की जानकारी मिली है और जल्द ही सभी आरोपी गिरफ्त में होंगे। घटना के बाद से अल्लापुर और आसपास के क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

## भारत पेट्रोलियम पाइपलाइन से तेल चोरी,चोरों ने सुरंग बनाकर निकाला पेट्रोलियम, पुलिस जांच में जुटी

प्रयागराज। यमुनापार क्षेत्र में एक बार फिर तेल चोरी करने वाले गैंग ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया है। थाना करछना अंतर्गत साधू कुटी चौराहे से बसरिया गांव के पास मंगलवार की देर रात अज्ञात चोरों ने भारत पेट्रोलियम की मुख्य पाइपलाइन में सेंध लगाकर टैंकर के माध्यम से बड़ी मात्रा में तेल चोरी कर लिया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और विभागीय सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, चोरों ने वारदात को बेहद योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया। उन्होंने पाइपलाइन के नीचे सुरंग बनाकर चोरी के लिए विशेष उपकरणों का इस्तेमाल किया। रात के अंधेरे में पाइपलाइन में छेद कर तेल को टैंकर में भरा गया और चोर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पेट्रोलियम विभाग के अधिकारी, पुलिस बल और फायर ब्रिगेड की

टीम मौके पर पहुंचे। टीम ने तत्काल पाइपलाइन की मरम्मत कार्य शुरू करवाया ताकि तेल का रिसाव रोका जा सके।पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को खंगालना शुरू कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि चोरों की पहचान जल्द कर ली जाएगी। वहीं, ग्रामीणों ने बताया कि तेल की गंध और रिसाव देखने पर उन्हें चोरी का संदेह हुआ और उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि पिछले तीन वर्षों में इसी स्थान पर यह दूसरी बड़ी तेल चोरी की वारदात है। सुरक्षा के लिए प्रतिदिन दो कर्मियों द्वारा पाइपलाइन की पैदल गश्त की जाती है, लेकिन इसके बावजूद चोरी हो जाना विभागीय लापरवाही को उजागर करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पेट्रोलियम विभाग और पुलिस की गश्त समय पर की जाती, तो इस तरह की घटना टाली जा सकती थी। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, वहीं विभाग ने सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं।

## दीपावली महापर्व पर 09 से 18 अक्टूबर हस्तशिल्पियों-कारीगरों उद्यमियों द्वारा प्रदर्शित हो रहीं वस्तुवें

(आधुनिक समाचार) प्रयागराज। माननीय मुख्यमंत्री जी की अपेक्षानुसार दीपावली महापर्व पर आम जनमानस को स्वदेशी वस्तुओं के क्रय हेतु स्थानीय हस्तशिल्पियों-कारीगरों एवं उद्यमियों द्वारा विभिन्न वस्तुओं की बिक्री / उत्पादों के प्रदर्शन हेतु आयुक्त एवं उ0प्र0 व्यापार प्रोत्साहन प्राधिकरण कानपुर के निर्देशानुसार दिनांक 09 अक्टूबर से 18 अक्टूबर 2025 तक भारत स्काउट एवं गाइड इण्टर कॉलेज कैम्पस ममफोर्डगंज, प्रयागराज में यू0पी0 इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 के तहत दिव्य एवं भव्य स्वदेशी मेले का आयोजन जिला प्रशासन एवं जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र द्वारा किया जा रहा है। यह मेला न केवल स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर देगा, बल्कि आम

जनता को भी स्वदेशी वस्तुएं अपनाने और खरीदने का मंच प्रदान करेगा। दस दिनों तक लगने वाले स्वदेशी मेले में उद्योग विभाग, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, माटी कला बोर्ड, हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग विभाग, रेशम विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन ओडीओपी सीएम युवा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, पीएमईजीपी और मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से जुड़े लाभार्थी इकाइयों के उत्पाद प्रदर्शित होंगे। मेले का मुख्य आकर्षण भदोही की कालीन, बनारस की साड़ी व लकड़ी के खिलौने, गाजीपुर का हैंगिंग वॉल, आजमगढ़ की ब्लैकपॉटरी व रेशमी साड़ी, आगरा का पेंठा, कानपुर का चर्म उत्पाद, सुल्तानपुर, अमेठी व प्रयागराज का मूंज उत्पाद, मऊ का वस्त्र उत्पाद एवं गोरखपुर का टेराकोटा व रेडीमेड गॉरमेन्ट के उद्यमियों द्वारा प्रतिभाग किये जाने की संभावना है। मेलें का उद्घाटन दिनांक 09.10.2025 को सायं 4 बजे होगा। यह मेला सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा और मेले में जनमानस का प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। मेले को रोचक एवं उल्लासपूर्ण बनाये जाने हेतु मेला अवधि में सायं बजे से 9 बजे तक स्थानीय कलाकारों के द्वारा सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी कराया जायेगा ।

## नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर की सूचना

(आधुनिक समाचार) प्रयागराज/नैनी। कोऑर्डिनेटर के अनुसार भारत

सरकार एनसीवीटी द्वारा कोपा (एर्द्धै) और फिटर ट्रेड में प्रवेश की अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2025 से बढ़ाकर 17 अक्टूबर 2025 कर दी गई है। जो भी अभ्यर्थी प्रवेश लेना चाहते हैं, वे संस्थान की वेबसाइट .हैंग्हग्गू.म्दस् पर जाकर ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर - कौशल ही भविष्य की पहचान।

## आधुनिक समाचार का करवाचौथ कार्यक्रम सम्पन्न

**(आधुनिक समाचार) प्रयागराज। आधुनिक समाचार एवं भवानी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में करवाचौथ का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक परिधान में सजधज कर भाग लिया और चांद को अर्घ्य अर्पित कर अपने पति की दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम में करवा क्वीन का चयन किया गया तथा रनर-अप प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही सभी प्रतिभागियों को रिटर्न गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में भवानी संस्थान की टीम एवं अधुनिक समाचार के सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वातावरण उल्लास और परंपरा से ओतप्रोत रहा।**

## फर्जी दस्तावेज तैयार कर ग्राहकों से किस्त जमा करने के नाम पर रु5,10,000 का गबन,अभियुक्त गिरफ्तार

आधुनिक समाचार सीतापुर। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी श्री आलोक सिंह के निकट पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी नगर श्री विनायक भोसले के नेतृत्व में थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा जनपद के विभिन्न निवासी ग्राहकगण जिनके द्वारा TVS CREDIT के माध्यम से अपने दो पहिया वाहनों का फाइनेन्स कराया गया था उनकी किस्ते जमा करने के नाम पर रुपयों की ठगी करने वाले अभियुक्त एजेन्ट नितेश दीक्षित उर्फ शोभित दीक्षित पुत्र स्व0 अवनीश कुमार दीक्षित निवासी ऊंचा टीला तरौनपुर जनपद सीतापुर को फर्जी TVS CREDIT की रसीद व दस्तावेजों के साथ गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में थाना कोतवाली नगर सीतापुर में मु0अ0सं0 300/2025 धारा 316(2)/318(4) बीएनएस पंजीकृत है। अभियुक्त नितेश दीक्षित उर्फ शोभित दीक्षित उपरोक्त द्वारा विभिन्न ग्राहकों से उनकी दो पहिया वाहन की किस्ते तथा लोन क्लियर कराने के नाम पर 5,10,000/- रुपये लिये गये तथा ग्राहकों को फर्जी TVS CREDIT की भुगतान रसीद बनाकर दी गयी तथा उनकी किस्तों का कम्पनी को कोई भुगतान नहीं किया जाता था । अभियुक्त उपरोक्त के इस कृत्य के आधार पर अभियोग उपरोक्त में धारा 338/336(3)/340(2) बीएनएस की बढोत्तरी करते हुए अभियुक्त का चालान मा.न्यायालय किया है। जनपद में अपराधियों के विरूद्ध निरन्तर प्रभावी कार्यवाही इसी प्रकार प्रचलित रहेगी।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. ofIndia)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-

Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

## बच्चा चोरी के आरोप में लोगो ने लड़की को पकड़ा

(आधुनिक समाचार) प्रयागराज। छोटा बघाड़ा लक्की टेलर पास बच्चा चोरी रही थी महिला बेहोशी की दवा छिड़क कर क्षेत्रीय लोगों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले किया गया पुलिस प्रशासन की ओर से विधिक कार्रवाई जारी मामले की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं सूत्रों के अनुसार प्रशासनिक रिपोर्ट आना अभी बाकी हैं।

## मा0 मंत्री कपिलदेव ने 10 दिवसीय यू0पी0 ट्रेड शो (स्वदेशी मेला)-2025 का फीता काटकर किया उद्घाटन

(आधुनिक समाचार) रायबरेली। मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग उ0प्र0 की सफलता के पश्चात मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश के प्रत्येक जनपद में यू0पी0 ट्रेड शो-2025 (स्वदेशी मेला) आयोजित कराये जाने का

सरकार कपिलदेव अग्रवाल द्वारा जी0आई0सी0 मैदान में आयोजित (09-18 अक्टूबर) 10 दिवसीय चलने वाले यू0पी0 ट्रेड शो (स्वदेशी मेला)-2025 का फीता काटकर उद्घाटन किया गया तथा मेला में विभिन्न विभागों व समूहों द्वारा लगाए गए स्वदेशी उत्पादों के स्टॉलों का अवलोकन किया गया। मा0 मंत्री जी ने 05 बच्चों को अन्नप्राशन व राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम के अन्तर्गत 05 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गयी। इस अवसर पर मा0 विधायक ऊंचाहार मनोज कुमार पांडेय, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, जिला अध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी उपस्थित रहें। इसके उपरान्त अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया, पी0एम0 श्री जी0जी0आई0सी0 विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गयी तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के 05 लाभार्थियों को 05-05 लाख रुपये के डमी चेक वितरित किये गये एवं पी0एम0 विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत 01 महिला लाभार्थी को सिलाई मशीन प्रदान की गयी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी ने कहा कि ग्रेटर नोएडा में आयोजित यू0पी0 इण्टरनेशनल टेड्डड शो 2025 निर्णय लिया। इसी क्रम में आज जनपद में इस मेले का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस स्वदेशी मेले का उद्देश्य हस्तशिल्पियों, कारीगरों/उद्यमियों द्वारा स्थानीय स्तर पर उत्पादित किये जा रहे उत्पादों को विपणन एवं दीपावली महापर्व के अवसर पर आम जनमानस को स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी का अवसर प्राप्त हो और स्वदेशी वस्तुए लोगों के घर तक पहुचें। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी व मा0 मुख्यमंत्री जी ने अपने कार्यकाल में देश व प्रदेश को विकास की गति देने का कार्य किया हर क्षेत्र व हर वर्ग के लिये अनेको कार्य किये गये है, इसी प्रकार एक जनपद- एक उत्पाद को बढ़ावा देने व उनको प्रात्साहित करने, संरक्षित करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को संरक्षित प्रोत्साहित करने का कार्य सरकार कर रही है। विकास के लिये आत्मनिर्भरता बहुत जरूरी है, सरकार मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने रही है। कार्यक्रम का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, पीडी डीआरडीए सतीश प्रसाद मिश्रा, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

## पूर्व माध्यमिक विद्यालय रायपुर में आयोजित हुआ मिशन शक्ति जागरूकता कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार) रायबरेली। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा हेतु नवरात्रि के

दौरान मिशन शक्ति जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जो अनवरत संचालित हो रहा है। क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय रायपुर में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह के दिशा निर्देश पर खंड शिक्षा अधिकारी रोहनिया डॉ सत्य प्रकाश यादव के नेतृत्व में विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक मु. अनवर के सहयोग से आयोजित किया गया। थाना ऊंचाहार से महिला कांस्टेबल पूजा कटियार ने कहा कि सभी बच्चों को विशेष रूप से बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबर के बारे में जानकारी होनी चाहिए जिससे मुसीबत के समय में उनका उपयोग कर सके। उन्होंने महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। बीईओ ने बालिकाओं की सुरक्षा के लिए उन्हें सतर्क रहने, जागरूक बने और अपने आप को मजबूत बनाने के टिप्स दिए गए। बालिकाओं हेतु बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं जैसे स्वास्थ्य शिक्षा एवं सुरक्षा के प्रति सजग एवं जागरूक बनाने के लिए मीना मंच कार्यक्रम तथा उनके जीवन कौशल विकास हेतु अरमान माड्यूल तथा आत्म रक्षा हेतु जूडो कराटे का प्रशिक्षण के बारे में बताया गया त बच्चियों द्वारा स्वागत गीत एवं लघु नाटिका का प्रस्तुतीकरण किया गया। बालिकाओं द्वारा मिशन शक्ति जागरूकता से संबंधित बनाए गए पोस्टर का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक मोहम्मद अनवर जी के द्वारा आभार प्रकट करने के साथ किया गया।

## पटाखा व्यापारी कादिर के खिलाफ हुई 82 की कार्रवाई

(आधुनिक समाचार) प्रयागराज। पटाखा व्यापारी कादिर के खिलाफ हुई 82 की कार्रवाई। शाहगंज थाने की पुलिस ने कादिर के घर पर

चस्पा किया 82 की नोटिस,ढोल नगाड़ों के साथ 82 की नोटिस चस्पा करने पहुंची शाहगंज थाने की पुलिस। घर के बाहर बाकायदा डुगडुगी बजवाकर 82 की नोटिस चस्पा किया गया। तय समय सीमा के अंदर अगर कादिर गिरफ्तार नहीं हुआ तो कुर्की की कार्रवाई होगी,कादिर के अलावा फरार उसके भतीजे कासिफ और एक अन्य के घर पर भी चस्पा हुई 82 की नोटिस,करोड़ो की ठगी का हैं आरोप। धोखाधड़ी और ठगी के मामले में फरार चल रहा है पटाखा व्यापारी कादिर,करोड़ों रुपए की ठगी के आरोप में शाहगंज समेत कई थानों में दर्ज है एफआईआर।

# नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफार्म एवं आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी संकल्प अभियान पर हुआ सम्मेलन

## जीएसटी सुधार देशवासियों के लिए दीपावली का उपहार है - डा दिनेश शर्मा

आधुनिक समाचार नोएडा। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा जिला अध्यक्ष नोएडा

महेश चौहान के नेतृत्व में एवियर इंस्टीट्यूट, सेक्टर-62 में नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स एवं आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी संकल्प अभियान विषय पर एक भव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद मा. डॉ. महेश शर्मा , एवम पूर्व मंत्री नवाब सिंह नगर की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मा. डॉ दिनेश शर्मा ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार लगातार जनता के बीच जाकर जीएसटी सुधारों के लाभ समझा रही है। दीपावली से पूर्व यह सुधार देशवासियों के लिए एक उपहार है, जिससे वस्तुएँ सस्ती होंगी और जनता की परचेजिंग पावर में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि आज का भारत पहले जैसा नहीं रहा ,अब भारत न तो डरता है, न झुकता है, बल्कि हर क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अब भारत केवल व्यापार का बाज़ार नहीं, बल्कि एक वैश्विक आर्थिक शक्ति बन चुका है। अमेरिका द्वारा टैरिफ़ लगाए जाने के बावजूद भारत का निर्यात लगातार बढ़ा है और घरेलू उत्पाद एवं उपभोग दोनों में वृद्धि हुई है। जीएसटी सुधारों पर बोलते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि पहले इन रिफॉर्म्स पर विस्तृत चर्चा हुई थी और अब 'नेक्स्ट जेन जीएसटी' से कर प्रणाली और अधिक सरल एवं पारदर्शी बनी है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जीएसटी दरों में कमी किए जाने से अनेक वस्तुओं के दाम घटे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जनता को फ्री राशन, आवास, शौचालय और आयुष्मान जैसी योजनाओं के माध्यम से सीधा आर्थिक सशक्तिकरण दिया है। जब उनसे पूछा गया कि अगर प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है तो फिर फ्री राशन क्यों दिया जा रहा है, तो उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी देश की जनसंख्या को बोझ नहीं, बल्कि उपहार मानते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आज 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ चुके हैं, जो सरकार की संवेदनशील नीतियों और जनहितकारी योजनाओं का परिणाम है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. शर्मा ने कहा कि जीएसटी के माध्यम से न केवल कर संरचना सरल हुई है, बल्कि ॉ दि अदग्हु ँल्हो और ॉ दि थन्हु दोनों ही दिशा में भारत ने ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री नवाब सिंह नगर, चेयरमैन संदीप सिंह, चंदगीराम यादव, अमित त्यागी, महेश अवाना, प्रमोद बहल, मनीष शर्मा, विनोद शर्मा, युद्धवीर चौहान, ओमवीर अवाना, संजय बाली, गणेश जाटव, भूपेश चौधरी, अशोक मिश्रा, चमन अवाना, रामनिवास यादव, राहुल शर्मा, करतार चौहान, विकास जैन, दीनबंधु, रामकिशन यादव, सत्यनारायण महावर, नीरज चौधरी, गौतम शर्मा, मनीष तिवारी, मनोज चौहान, उमेश त्यागी, राजेंद्र अवाना, राजकुमार बंसल, अरुण चौहान, राम मेहर कौशिक, एहसान खान, मुक्तानंद प्रधान, लोकेश यादव, राजकुमार झा, लोकेश कश्यप, नरेश राणा, अतुल त्यागी, विनोद पारीक, कुलदीप चौहान, अमित कुमार त्यागी, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

# झाँसी की उन्नति पांडे ने बॉलीवुड में चमकाया शहर का नाम

आधुनिक समाचार झांसी। वीरांगनाओं की नगरी झाँसी की बेटी उन्नति पांडे ने बॉलीवुड में





अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। कई फिल्मों और टीवी सीरियलों में काम कर चुकी उन्नति ने हाल ही में कलर्स टीवी पर प्रसारित नए सीरियल 'मंगल लक्ष्मी' में लक्ष्मी के साथ लीड रोल निभाया है। यह धारावाहिक सोमवार से प्रसारित होना शुरू हुआ है और दर्शकों के बीच खूब सराहा जा रहा है। उन्नति पांडे को बड़े पर्दे पर पहचान फिल्म 'अजमेर 92' से मिली, जिसमें उनके अभिनय की काफी प्रशंसा हुई। इसके बाद उन्हें कई एल्बम और टीवी सीरियलों में लगातार काम करने के प्रस्ताव मिले। उन्नति झाँसी के प्रतिष्ठित समाजसेवी दिलीप पांडे की पुत्री हैं। आठ वर्ष पूर्व उन्होंने अपने अभिनय के सपनों को साकार करने के लिए मुंबई का रुख किया था। आज उनकी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर बॉलीवुड में झांसी का नाम गर्व से लिया जा रहा है। इस अवसर पर उनके पिता दिलीप पांडे ने कहा कि उन्नति ने हमेशा अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत की है। हमें इस बात पर गर्व है कि वह न केवल हमारे परिवार, बल्कि पूरे झांसी का नाम रोशन कर रही है। हमने हमेशा उसे प्रोत्साहित किया और उसका साथ दिया। आज उसकी सफलता हर उस बेटी के लिए प्रेरणा है जो बड़े सपने देखती है।

# 'अति आनन्द उमगि अनुरागा, चरण सरोज पखारन लगा ' केवट राम संवाद सुन भावविभोर हुए श्रोता

आधुनिक समाचार नोएडा। सेक्टर 82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट 12 में आयोजित श्रीराम कथा के



छठवें दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद महाराज ने आगे का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि भगवान राम, माता सीता और सभी भाइयों के विवाह के बाद अवध में आ जाते हैं । महाराज दशरथ गुरु से आज्ञा लेकर राम को युवराज बनाने की घोषणा करते हैं पूरी अयोध्या में खुशी छा जाती है। सभी देवता यह जानकर परेशान हो जाते हैं कि अगर राम का राज्याभिषेक हो जाएगा तो राक्षसों का वध कैसे होगा। सरस्वती जी से सभी प्रार्थना करते हैं और सरस्वती जी मंथरा की बुद्धि को पलट देती हैं वह कैकयी को अपने दो वरदान राजा दशरथ से मांगने के लिए कहती है। कैकयी कोपभवन में चली जाती है और दशरथ से दो वरदान मांगती है कि भरत को राज्य और राम को वनवास। दशरथ जी अचेत हो जाते है। रामजी लक्ष्मण और सीता के साथ वन को चले जाते हैं। केवट प्रसंग सुनाते हुए व्यास जी ने बताया कि गंगा किनारे पहुंचने पर केवट से नाव लाने को कहते है। ' मांगी नाव न केवट आना, कहहु तुम्हार मरमु में जाना' केवट कहता है कि मैं तुम्हारा मर्म जनता हूँ। जिनकी चरण रज लगते ही पत्थर की शिला नारी बन गयी अगर मेरी नाव भी नारी बन गयी तो मेरी रोजी रोटी का क्या होगा। बिना पैर धुलवाए आपको नाव में नहीं बैठाउँगा । ' अति आनंद उमगि अनुरागा, चरण सरोज पखारन लागा'। ऐसा कहकर भगवान राम , लक्ष्मण और सीता के पैर धोकर पूरे परिवार सहित उस चरणोदक को पीता है। इसके बाद गंगा के पार उतारता है। इस अवसर पर श्रीराम कथा आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी देव मणि शुक्ल ने बताया कि 9 अक्टूबर को राम और भारद्वाज मुनि का संवाद सहित कई प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इस मौके पर सेक्टर के तमाम लोग मौजूद रहे।

# वक्फ सम्पत्तियों का सम्पूर्ण विवरण UMEED पोर्टल पर समयान्तर्गत फीड कराना करें सुनिश्चित

(आधुनिक समाचार) लखनऊ।केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा एकीकृत वक्फ प्रबन्धन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास (UMEED) अधिनियम-1995 जो दिनांक 08.04.2025 को लागू हुआ है। अधिनियम के प्राविधान के अनुसार धारा 3(क) के अनुसार केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय नई दिल्ली में एक सशक्त ळर्ड्ड- केन्द्रीय पोर्टल, 2025 का शुभारम्भ किया गया है, जिसका उद्देश्य मौजूदा औकाफ का विवरण, पंजीकरण, लेखा, लेखा परीक्षा और वक्फ एवं बोर्ड के अन्य विवरण जैसा कि केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है, अपलोड किया जाना है। उ0प्र0 सुन्नी/शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा वक्फ सम्पत्तियों का विवरण UMEED पोर्टल पर फीड किये जाने हेतु जनपद के बड़े औकाफ से सम्बन्धित मुतवल्ली/प्रबन्ध समिति (Makers) को जनपद कोऑर्डिनेटर के रूप में नामित किया गया है। उ0प्र0 सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा हेल्पलाईन नम्बर 0522-3132567 जारी किया गया है। (क) उ0प्र0 सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा नामित कार्मिकों का विवरणः- 1. एजाज अहमद, कार्यपालक अधिकारी-9795742635 2. एस0एम0अफजाल काशिफ, कार्यपालक अधिकारी-9450627158 3. अहमद मुबीन किदवई, कार्यपालक अधिकारी-8299449768 4. मुजाहिद रहमान, कार्यपालक अधिकारी-8299363648 5. अशर सिद्दीकी, निरीक्षक-8081079944, 6. श्री माजूद अहमद खान, (मुतवल्ली/कोऑर्डिनेटर)-8765239974 7. मो0 खलील, (मुतवल्ली/कोऑर्डिनेटर)-8840253493 8. निसार अहमद खान, (मुतवल्ली/कोऑर्डिनेटर)-8765242437 9. मो0 वसीम, (मुतवल्ली/कोऑर्डिनेटर)-9335395025 (ख) उ0प्र0 शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ द्वारा नामित कार्मिकों का विवरणः- 1. जीशान रिजवी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी-9415036983 2. शकील अब्बास, निजी सहायक-9935190711 3. राहिब अली, एल0डी0सी0-8756637860 4. शौजाब अब्बास, मुतवल्ली/मेकर-9506677907 5. आकाश वर्मा, असिस्टेन्ट प्रोग्रामर-9580120821 6. मेहदी रजा आफताब, (मुतवल्ली/कोऑर्डिनेटर)-9559529887

वक्फ सम्पत्तियों का विवरण UMEED पोर्टल पर फीड कराये जाने के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय स्तर पर हेल्पडेस्क स्थापित की गयी है, जिसमें मुख्य वक्फ निरीक्षक (9565458585) एवं वरिष्ठ सहायक वक्फ़ (9936590899) को डेस्क प्रभारी तथा सहायता हेतु कम्प्यूटर आपरेटर (8765370083) नामित किया गया है। अतः बोर्ड द्वारा नियुक्त मुतवल्ली/कोऑर्डिनेटरों को निर्देशित किया जाता है कि बोर्ड के निर्देशानुसार वक्फ सम्पत्तियों का सम्पूर्ण विवरण UMEED पोर्टल पर समयान्तर्गत फीड कराना सुनिश्चित करें तथा प्रगति से प्रतिदिन अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराना सुनिश्चित करें। यह जानकारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, प्रयागराज श्री कृष्ण मुरारी ने दी है।

# एनटीपीसी सभागार ऊंचाहार में कर्मयोग, मद्य निषेध एवं विकसित भारत पर संगोष्ठी का भव्य आयोजन, मोबाइल फोन का अत्यधिक प्रयोग भी एक प्रकार का नशा

(आधुनिक समाचार) रायबरेली। एनटीपीसी सभागार ऊंचाहार में कर्मयोग, मद्य निषेध

एवं विकसित भारत संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव, समाज कल्याण एवं सैनिक कल्याण विभाग तथा महानिदेशक उपाम व एस0आई0आर0डी0 श्री एल0 वेंकटेश्वर लू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य मिशन कर्मयोगी के तहत कर्मचारियों के क्षमता निर्माण, सहयोग एवं समन्वय को सशक्त बनाना, मद्य निषेध के प्रति लोगों को जागरूक करना एवं विकसित भारत की संकल्पना के लिए संवाद स्थापित करना रहा। अपर मुख्य सचिव एल0 वेंकटेश्वर लू ने कहा कि कर्मयोग का अर्थ केवल कार्य करना नहीं, बल्कि पुरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से दायित्वों का निर्वहन करना है और उसे समाज के कल्याण व राष्ट्र निर्माण से जोड़ना है। उन्होंने कर्मयोगी पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह पहले केवल सिविल सेवको तक ही सीमित था परंतु अब इसका क्षेत्र बहुत व्यापक हो गया है। उन्होंने सभागार में उपस्थित प्रधानाध्यापकों की सराहना करता करते हुए कहा कि कर्मयोगियों के निर्माण में आप सभी का महत्वपूर्ण योगदान है। हमें इसका क्षेत्र और बढ़ाना है तथा अन्य लोगों को भी इसमें शामिल करना है। राज्य मद्य निषेध अधिकारी के.एल. राजवंशी ने कार्यक्रम के दौरान मद्य निषेध विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए समाज में नशा मुक्त वातावरण बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा की मोबाइल की लत भी एक डिजिटल नशा है। इससे भी लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। इस अवसर पर विकसित उत्तर प्रदेश - समर्थ उत्तर प्रदेश 2047 के संकल्प को साकार करने हेतु नागरिक सहभागिता और प्रशासनिक जवाबदेही पर भी चर्चा हुई। संगोष्ठी में मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, कार्यकारी निदेशक एनटीपीसी ऊंचाहार अभय कुमार श्रीवास्तव,डीआईओएस संजीव सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कॉलेजों के प्रधानाचार्य एवं स्टेकहोल्डर उपस्थित रहे। मंच का संचालन अभिषेक द्विवेदी ने किया। अंत में प्रतिभागियों ने नशा मुक्त, सशक्त और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

# आईएमएस नोएडा में उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार) नोएडा। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नोएडा शाखा के

सहयोग से मानक महोत्सव 2025 अभियान के अंतर्गत

आईएमएस नोएडा में जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। बृहस्पतिवार को संस्थान के आईक्यूएसी सेल एवं सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते के संयुक्त तत्वावधान में इस कार्यक्रम का आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों को आई.एस.आई.मार्क, हॉलमार्क, ईको मार्क एवं सी.आर.एस. मार्क के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान आईएमएस के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि मानक केवल उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता की पहचान नहीं हैं, बल्कि यह उपभोक्ताओं के विश्वास की प्रतीक और राष्ट्र की समग्र प्रगति की मजबूत नींव हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि युवाओं में मानकों के प्रति जागरूकता विकसित करना न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन और उपभोग की आदतों को बेहतर बनाता है, बल्कि यह पूरे देश को एक गुणवत्ता-प्रधान, प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ अर्थव्यवस्था की दिशा में अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बीबीए के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि मानकों की जानकारी और उनके पालन से उत्पादकता, सुरक्षा, नवाचार और उपभोक्ता संतोष सभी स्तरों पर बढ़ावा मिलता है, और यह भारत को वैश्विक मानकों के अनुरूप स्थापित करने में मदद करता है।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे मानकों के महत्व को समझें, इनके पालन को जीवन का हिस्सा बनाएं और देश की प्रगति में सक्रिय योगदान दें। वहीं सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि आज के कार्यक्रम में छात्रों को मानक चिन्हों की जानकारी दी गयी।

साथ ही में मानक चिन्हों की सही जानकारी साझा करने वाले उत्कृष्ट विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में युवाओं ने यह शपथ ली कि वे एक बेहतर और गुणवत्ता-पूर्ण वातावरण बनाने में योगदान देंगे और उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

# रामकथा में प्रभु राम और भरद्वाज मुनि संवाद का रोचक वर्णन किया

(आधुनिक समाचार) नोएडा। सेक्टर 82 स्थित

ईडब्ल्यूएस पॉकेट 12 में आयोजित श्रीराम कथा के सातवें दिन कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने श्री राम कथा में आगे का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि भगवान राम, लक्ष्मण,सीता और गृह राज निषाद के साथ गंगा पार उतरकर मां गंगा को प्रणाम करके आगे बढ़ते हैं।

प्रयागराज पहुंचकर वह त्रिवेणी में स्नान करते हैं और मुनि भारद्वाज जी के आश्रम पहुंचते हैं। मुनि की दंडवत प्रणाम करते हैं और भारद्वाज जी उनको गले से लगाकर आशीर्वाद देते हैं।

भारद्वाज जी आनन्द मग्न हो जाते हैं और सोचते हैं कि आज हमारी तपस्या सफल हो गई , मेरा जीवन धन्य हो गया। मुनि प्रभु राम सहित सभी को पवित्र आसान बैठने के लिए देते हैं और खाने में कंद मूल फल देते हैं। सभी प्रकार से संतुष्ट कर प्रभु की वंदना करते हैं लेकिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम कहते हैं कि हे मुनि जिसको आपका आशीर्वाद मिल जाता है वही बड़ा हो जाता है। रात्रि विश्राम के बाद प्रभु राम मार्ग व पूछकर आगे के लिए प्रस्थान कर जाते



हैं। श्री राम कथा में नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी एवं महासचिव जे पी सिंह ने मंच पर जाकर परम पूज्य गुरुदेव जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

उनके साथ नोएडा के कयी बरिष्ठ पत्रकार भी कथा पंडाल पहुंच कर महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर श्रीराम कथा आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी देव मणि शुक्ल ने बताया कि 10 अक्टूबर को राम भरत मिलाप सहित कई प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इस मौके पर भाजपा की वरिष्ठ नेत्री श्रीमती प्रज्ञा पाठक, भाजपा मंडल अध्यक्ष गौतम शर्मा, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, विनय त्रिवेदी ,सी के शर्मा, अरविंद परिहार, मनीष मिश्रा , मुकेश शुक्ला , महेंद्र शर्मा, विकास राज तिवारी,एस पी मिश्रा, धर्मेंद्र सिंह, शिव कुमार पाठक, चंदन पांडेय, जे पी मिश्रा, उम्मीद सिंह, प्रमोद यादव, सी एल तिवारी,राजीव श्रीवास्तव, राजेश महाले,रवि राघव, गोरे लाल, रमेश वर्मा, अंकित उपाध्याय, अंकित शर्मा, सर्वेश तिवारी , रमेश चंद्र शर्मा , विजेंद्र सिंह, राजेश कुमार गुप्ता, संजय पांडे, हरि शंकर सिंह, संजय शुक्ला, रमेश दास, अनूप सिंह, विकास शर्मा, आचार्य गौरव, ,हंस मणि शुक्ल, अंगद सिंह तोमर, संगम प्रसाद मिश्रा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

# रोके गए बाल विवाह में शामिल बालिकाओं को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार) रायबरेली। जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा ने बताया

कि मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत कलेक्ट्रेट सभागार में बाल विवाह को न-चैंपियंस का सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत रोके गए बाल विवाह में शामिल बालिकाओं का सम्मान एवं उनके सामने आई चुनौतियों पर चर्चा-परिचर्चा की गई। सम्मान समारोह का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने में अहम भूमिका निभाने वाले चौंपियंस को सम्मानित करना। जिन्होंने अपने समुदाय, विद्यालय का पंचायत स्तर पर जागरूकता फैलाकर बाल विवाह को रोकने का कार्य किया है। कार्यक्रम में सेल्फ कॉलर बालिकाओं को सम्मानित किया गया और उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति अध्यक्ष पूनम सिंह सदस्य मिलिंद द्विवेदी, बाल संरक्षण अधिकारी वीरेंद्र पाल और डीएमसी शेफाली सिंह, जेंडर स्पेशलिस्ट पूजा तिवारी, वन स्टॉप सेंटर से सेंटर मैनेजर आस्था ज्योति, काउंसलर श्रद्धा सिंह, सुरेश कश्यप एवं समस्त थाने से बाल कल्याण अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

## बहुजन नायक कांशीराम को भारत रत्न दिए जाने को लेकर जन अधिकार पार्टी ने सौंपा ज्ञापन,जुलुश के साथ कलेक्ट्रेट पहुंच धरना प्रदर्शन कर जन समस्याओं के समाधान की उठाई आवाज

(आधुनिक समाचार)
राबर्ट्सगंज/सोनभद्र। गुरूवार को जन अधिकार पार्टी के प्रदेश व्यापी

कार्यक्रम के क्रम में पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0 शिवकन्या कुशवाहा जी एवं संस्थापक व सांसद मा0 बाबू सिंह कुशवाहा जी के निर्देशानुसार बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम साहब जी को भारत रत्न दिए जाने सहित जन समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जुलुश के साथ कलेक्ट्रेट पहुंच धरना प्रदर्शन उपरांत महामहिम राष्ट्रपति महोदय के नाम संबोधित ज्ञापन पत्र जिलाधिकारी को सौंपा । इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ भागीरथी सिंह मौर्य प्रदेश प्रमुख महासचिव ने कहा कि भारत देश के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ी जाति व अल्पसंख्यकों के साथ शोषित बंचित, उत्पीड़ित समाज की आवाज बन कर उनमें राजनैतिक चेतना जागृत कर हक़ अधिकार के प्रति जागरूकता पैदा करने वाले बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम साहब जी के परिनिर्वाण दिवस (पुण्य तिथि) पर जन अधिकार पार्टी जो उनके द्वारा दिखाये गये /सिखाये गये रास्ते 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी ' के आह्वान पर चलने के संकल्प के साथ कोटिशः नमन करती है, और मांग करती है कि ऐसे महान विभूति मान्यवर कांशीराम साहब को देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' देकर सम्मानित कर भारत सरकार सही मायने में श्रद्धांजलि अर्पित करने का काम करें। विशिष्ठ अतिथि सुमंत सिंह मौर्य मंडल प्रभारी वाराणसी एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य रेनू कुशवाहा ने कहा की हम गरीब मजदूर, किसान अपने व अपने बच्चों के भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए जन अधिकार पार्टी के साथ मजबूती से खड़े होकर ज्ञापन-पत्र के माध्यम से देश मे हरित क्रांति के तहत किसानों ने अनाज की पैदावार जैसे समर्थन मूल्य घोषित सभी ऊपज के साथ ही साथ धान प्रति एकड़ 30 से 35 कुंतल तक बढ़ाकर देश के अनाज भण्डार को भरते हुए सभी लोगों के पेट की क्षुधा को शांत करने का कार्य करते है इसलिए किसानों की समस्त ऊपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनांतर्गत सरकारी खरीद सुनिश्चित किया जाय, इसके लिये पर्याप्त क्रय केन्द्र, बोरा , कांटा व पैसे की व्यवस्था उपलब्ध कराया जाय। जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य एवं जिला कोषाध्यक्ष मंगला प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तरप्रदेश में विद्युत कनेक्शन लेना अपराध हो गया है, पुलिस थाने से ज्यादे लोग बिजली थाने से डरने लगे है क्योंकि विद्युत विभाग द्वारा बिना मीटर की रीडिंग लिए मनमाना विद्युत बिल भेज दिया जा रहा है, उपभोक्ता विद्युत बिल सुधरवाने के लिए विद्युत ऑफिस दौड़ दौड़ के परेशान हो जा रहे है,जिससे उनका बिल चाहकर भी जमा नही हो पा रहा है, इसलिये मीटर की रीडिंग लिए बिना विद्युत बिल न भेजा जाय और विद्युत बिल संशोधन की प्रक्रिया को और आसान व सुलभ बनाया जाय और 300 यूनिट से कम विद्युत उपभोग करने वाले उपभोक्ताओं का विद्युत बिल माफ किया जाय ।मंडल सचिव श्रीपति विश्वकर्मा एवं मंडल उपाध्यक्ष विजयमल मौर्य, ने कहा कि बीते खरीफ के सीजन में प्रदेश के सभी किसान डीएपी व यूरिया के लिए दर दर भटकने के लिए मजबूर हुए और दोगुने मूल्य पर उर्वरक खरीदने को मजबूर हुए, इसलिये समय से किसानों के मांग के अनुरूप पर्याप्त डीएपी व यूरिया उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाय। ज्ञापन की प्रतिलिपि मा0 प्रधानमंत्री जी, महामहिम राज्यपाल जी, मा0 मुख्यमंत्री को भी जिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित की गई । इस मौके पर जिला कोषाध्यक्ष मंगला प्रसाद मौर्य, मंडल उपाध्यक्ष विजयमल मौर्य, महिला प्रकोष्ठ की मंडल अध्यक्ष किरन कुशवाहा, मंडल सचिव श्रीपति विश्वकर्मा,जय प्रकाश मौर्य, बैजनाथ सिंह,मुलायम मौर्य,रामराज बिंद,चंद्रशेखर,कपिलदेव ,बृजेश मौर्य,प्रदीप सिंह,लाल बहादुर, विनोद कुमार मौर्य, मनोज कुमार मौर्य, लक्ष्मण सिंह, विजय मौर्य, गुलाब सिंह, सुक्खू प्रसाद, सुबास,विजई, स्वामी जी, गणपति सिंह, प्रदीप मौर्य, वासुदेव मौर्य, शिवनारायण, राकेश मौर्य, निरंजन मौर्य, भागवत मौर्य, संजय मौर्य, शिव बहादुर मौर्य, संकटा प्रसाद,सहित सैंकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। धरना प्रदर्शन का संचालन जिला महासचिव रविरंजन शाक्य ने किया।

## रॉबर्ट्सगंज में एचआईवी जागरूकता अभियान,संपूर्ण सुरक्षा केंद्र ने दी युवाओं को बचाव की जानकारी

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक में गुरुवार को एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज और राजा शारदा महेश इंटर कॉलेज में दोपहर 12 बजे से चला। संपूर्ण सुरक्षा केंद्र के परामर्शदाता सुनील श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में एचआईवी को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने और लोगों को जागरूक कर बीमारी को रोकने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में युवाओं में एचआईवी का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। विशेष रूप से सोनभद्र जनपद में इंजेक्शन के माध्यम से एचआईवी संक्रमण तेजी से अपने पैर पसार रहा है। इसकी रोकथाम के लिए आईसीटीसी विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर सघन जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इनमें ग्राम पंचायतें, निजी विद्यालय, नशा मुक्ति केंद्र, कारागार और डिग्री कॉलेज शामिल हैं, जहाँ मुफ्त परामर्श और परीक्षण शिविर लगाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में एचआईवी फैलने के कारण, बचाव के तरीके, इंडेक्स, विंडो पीरियड और निशुल्क जाँच व इलाज के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। किसी भी समस्या के लिए जिला चिकित्सालय रॉबर्ट्सगंज में संपूर्ण सुरक्षा केंद्र के कमरा नंबर 12, 13, 15 में संपर्क करने की सलाह दी गई। इस अवसर पर अशोक कुमार, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या रंजना शुक्ला, राजा शारदा महेश इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य बृजेश जी सहित सभी शिक्षकगण और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

## बाइक-पिकअप टक्कर में एक की मौत,अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

सोनभद्र। जिले के करमा थाना क्षेत्र में मिर्जापुर-सोनभद्र

मुख्य मार्ग पर करमा गांव के पास गुरुवार दोपहर एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए उसे पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार, रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के सुकृत निवासी जयद्रथ प्रजापति बाइक से मड़िहान की ओर जा रहे थे तभी मिर्जापुर से आ रही एक खाली पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंचाया। मौके पर पहुंचे सब-इंस्पेक्टर जयराम सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।वही पुलिस ने बताया कि पिकअप को कब्जे में ले लिया गया है पिकअप चालक अज्ञात है और उसके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

## चोपन पुलिस ने ठगी के पांच हजार रुपए वापस कराए

सोनभद्र। पुलिस की साइबर टीम ने एक आवेदक के साथ हुई 5,000 रुपये की ऑनलाइन

धोखाधड़ी की राशि सफलतापूर्वक उसके बैंक खाते में वापस करा दी है। यह कार्रवाई सोनभद्र जिले में हुई। ग्राम गुरदह, थाना चोपन निवासी राम अजोर पुत्र राम अधार के साथ अज्ञात व्यक्तियों ने यूपीआई के माध्यम से 5,000 रुपये की ठगी की थी। ठगी की जानकारी मिलने पर, थाना चोपन की साइबर टीम ने आवेदक से लेनदेन से संबंधित आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए और साइबर पुलिस पोर्टल पर शिकायत दर्ज की। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार और क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। चोपन की साइबर टीम ने एनसीआरपी पोर्टल का अवलोकन किया और धोखाधड़ी की गई धनराशि को संबंधित खाते में होल्ड कराया। टीम ने एनसीआरपी पोर्टल से लेनदेन से संबंधित आवश्यक साक्ष्य एकत्रित कर संबंधित बैंक को ईमेल और पत्राचार के माध्यम से संपर्क किया। इसके परिणामस्वरूप, आवेदक की 5,000 रुपये की धोखाधड़ी वाली राशि उसके मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस करा दी गई। आवेदक ने इस कार्रवाई के लिए चोपन साइबर टीम की सराहना की। इस कार्रवाई में शामिल टीम में प्रभारी निरीक्षक थाना चोपन सोनभद्र श्री कुमुद शेखर सिंह और साइबर हेल्प डेस्क थाना चोपन सोनभद्र के कांस्टेबल सुनील कुमार शामिल थे। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी अज्ञात व्यक्ति को अपनी व्यक्तिगत और बैंकिंग जानकारी जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट, अकाउंट नंबर, नेट बैंकिंग की जानकारी, पासवर्ड या ओटीपी साझा न करें।

## सोनभद्र डांडिया नाइट 3.0 में महिलाएं और पुरुषों ने जमकर मचाया धमाल, हुआ भव्य आयोजन,डांडिया नाइट में कई फेमस डीजे आर्टिस्ट, सिंगरों ने मचाया धमाल

### महिलाएं चनिया चोली और पुरुष कुर्ता पजामा के पारंपरिक वेशभूषा में सज धज कर डांडिया खेलते आए नजर,सोनभद्र डांडिया नाइट 3.0 में जमकर थिरके महिलाएं और पुरुषों

(आधुनिक समाचार)
सोनभद्र। तरुण महिला केसरवानी क्लब की ओर से नगर के सिविल लाइन रोड पर स्थित सवेरा होटल कंपाउंड में बुधवार को देर शाम हुए सोनभद्र डांडिया नाइट 3.0 में महिलाएं और पुरुष भजनों, फिल्मी गीतो पर जमकर थिरके। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद एवं विशिष्ट अतिथि महिला मोर्चा की अध्यक्ष पुष्पा सिंह सहित आयोजन समिति के पदाधिकारीयो ने मां दुर्गा की तस्वीर पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने कहा कि इस तरह के आयोजन से भारतीय संस्कृति और सभ्यता से युवा पीढ़ी परिचित होते हैं। साथ ऐसे आयोजन सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने और उत्सव का आनंद बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं कार्यक्रम में आरजे महिमा और एंकर वर्षा ने जमकर धमाल मचाया। इसमें महिलाएं चनिया चोली और पुरुष कुर्ता पैजामा के पारंपरिक वेशभूषा में आकर्षक डांडिया स्टिक के साथ नृत्य करते हुए नजर आए। कार्यक्रम के अंत में आयोजन में सहयोग करने वाले सभी सहयोगियों व समाजसेवियों को सोनभद्र डांडिया नाइट समिति ने सम्मानित किया।इस अवसर पर तरुण महिला केसरवानी क्लब

## दुद्धी में 21 कुण्डीय सुदर्शन महायज्ञ का शुभारंभ,कलश यात्रा में उमड़ी भीड़

सोनभद्र। दुद्धी के रामलीला मैदान से 21 कुण्डीय श्री श्री

सुदर्शन महायज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा और शोभायात्रा के साथ हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मैदान में एकत्रित हुए। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ यात्रा प्रारंभ हुई। शोभायात्रा रामलीला मैदान से शुरू होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए शिवाजी तालाब पहुंची। यहां वैदिक आचार्यों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर जल भराई की। इस यात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर हिस्सा लिया, जबकि स्थानीय लोग और श्रद्धालु पूरे मार्ग में नारायण भगवान का जयघोष करते रहे। आयोजन समिति के अनुसार, यह महायज्ञ श्री श्री 1008 रामानुजाचार्य वैष्णो मणी स्वामीनारायण आचार्य के सान्निध्य में संपन्न कराया जा रहा है। इसमें देशभर से कई विद्वान आचार्य, साधु-संत और वैदिक पंडित शामिल होंगे। मां भारती जन सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अनिल कुमार हवाई ने बताया कि यह महायज्ञ क्षेत्र और देश के कल्याण के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन 8 दिनों तक चलेगा। उन्होंने बताया कि 10 अक्टूबर को पंचांग पूजन एवं मंडप प्रवेश होगा, जबकि 11 अक्टूबर को मंथन एवं अग्नि स्थापन संपन्न कराया जाएगा। महायज्ञ का समापन 17 अक्टूबर को पूर्णाहुति, भंडारा और संत-ब्राह्मण विदाई समारोह के साथ होगा। नगर में इस महायज्ञ को लेकर लोगों में उत्सुकता है। श्रद्धालु इस धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने के लिए उत्साहित हैं।

## सांसद छोटेलाल खरवार ने अफवाहों का खंडन किया,कहा- बिना जानकारी आरोप लगाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

सोनभद्र। सांसद छोटेलाल खरवार ने सोशल मीडिया पर

फैलाई जा रही अफवाहों का खंडन किया है। उन्होंने बिना उचित जानकारी के आरोप लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। ये अफवाहें सीसी रोड और सोलर लाइट से जुड़े कार्यों को लेकर फेसबुक और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर प्रसारित की जा रही हैं। रॉबर्ट्सगंज के सांसद छोटेलाल सिंह खरवार ने स्पष्ट किया कि कुछ लोग अनावश्यक आरोप लगा रहे हैं। सांसद खरवार ने बताया कि हर कार्य की एक निर्धारित प्रक्रिया और जिम्मेदारी होती है।

यदि किसी कार्य में कोई गड़बड़ी पाई जाती है, तो संबंधित विभाग उसकी जिम्मेदारी लेता है और उसे ठीक करवाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि जो यूट्यूब पोर्टल अफवाहें फैला रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, खासकर यदि उनके चैनल पंजीकृत नहीं हैं। छोटेलाल खरवार ने कुछ लोगों को 'चाटुकार' बताते हुए कहा कि वे अपने स्वार्थ के लिए झूठी अफवाहें फैलाते हैं। उन्होंने अफवाहें फैलाने वालों से कहा कि उन्हें शिकायती पत्र के माध्यम से सूचना देनी चाहिए थी, न कि केवल अफवाहें उड़ानी चाहिए। सांसद ने बताया कि उन्हें जो भी शिकायतें मिली हैं, उन्हें उच्च स्तरीय जांच के लिए भेज दिया गया है। विभाग तत्काल उन पर कार्रवाई करेगा।

## भारत सरकार की 'मिशन कर्मयोगी' पहल के तहत एनटीपीसी सिंगरौली में 'कर्मयोगी' प्रशिक्षण प्रारम्भ

सोनभद्र। एनटीपीसी सिंगरौली में कर्मचारियों के लिए भारत

सरकार की महत्वाकांक्षी 'मिशन कर्मयोगी' पहल के तहत एक दिवसीय 'राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा लार्ज स्केल इंटरवेंशन ट्रेनिंग प्रोग्राम' (फेज छ) शुरू किया गया है। विद्युत मंत्रालय के निर्देशानुसार, सभी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (सीपीएसयू) को इस कार्यक्रम में भाग लेना अनिवार्य है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सिद्धार्थ मंडल, विभागाध्यक्ष (मानव संसाधन) ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य सार्वजनिक सेवा में सेवा भाव, उत्तरदायित्व की भावना और आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है, जिससे नागरिक सेवा वितरण की गुणवत्ता में सुधार हो सके। सिद्धांत में विश्वास रखता है। उन्होंने बताया कि 'कर्मयोगी भारत' पहल कर्मचारियों को समाज की भलाई के लिए समर्पित करने, नेतृत्व गुण सिखाने और जिम्मेदारी का एहसास कराने की प्रेरणा है। कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए डॉ. ओम प्रकाश, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन राजभाषा) ने बताया कि इसका मूल मंत्र 'लोकहितं मम करणीयम्' है, जो नागरिकों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करता है। प्रशिक्षक श्री सन्नी सेठ, उप महाप्रबंधक (इलेक्ट्रिकल एरेक्शन) ने जानकारी दी कि पूरे माह चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एनटीपीसी सिंगरौली के सभी कर्मचारी शामिल होंगे।प्रशिक्षिका मधुरिमा कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (ईएमडी) ने बताया कि प्रशिक्षण में कर्मयोग का दर्शन, आधुनिक समाज में इसका महत्व, निःस्वार्थ सेवा के माध्यम से नेतृत्व विकास, सतत विकास, सामाजिक कल्याण और प्रभावी जनसेवा व संवाद कौशल जैसे मुख्य विषय शामिल हैं। ये विषय कर्मचारियों के व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायक होंगे।

## रेणुकूट व्यवसायी ने की आत्महत्या,पारिवारिक विवाद से बना कारन

सोनभद्र। रेणुकूट चौकी क्षेत्र के मुर्धवा में गुरुवार सुबह एक

गुटखा व्यवसायी ने किराए के मकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।मृतक की पहचान बेगूसराय, बिहार निवासी विवेक राय के रूप में हुई है। वे कई वर्षों से रेणुकूट नगर में थोक गुटखा का व्यापार करते थे। जानकारी के अनुसार, विवेक राय की पत्नी बिहार में स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं और पिछले कुछ महीनों से दोनों के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा था। बताया गया है कि कुछ दिनों से विवेक की पत्नी भी रेणुकूट नगर में आकर रह रही थीं, जिससे पति-पत्नी के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी। रेणुकूट चौकी प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि बुधवार को पति-पत्नी जिला मुख्यालय गए थे, जहां महिला थाने में उनकी पेशी हुई थी। शाम को वे वापस लौटे थे। बुधवार रात विवेक राय अपने मुर्धवा स्थित किराए के मकान में सोए थे। गुरुवार सुबह जब उनका बेटा जागा, तो उसने अपने पिता को कमरे में पंखे से गमछे के सहारे लटका हुआ देखा। बेटे ने तुरंत अपने चाचा को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर कब्जे में लिया। प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, विवेक राय पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से तनावग्रस्त चल रहे थे। पुलिस पूरे मामले की गहराई से पड़ताल कर रही है ताकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता चल सके।

# 10 महीने जेल में रहे नवजोत सिंह सिद्धू,जीवन के तमाम उतार-चढ़ाव के बाद बने रियलिटी शो के मशहूर जज और कमेंटेटर

अमृतसर। क्रिकेट की पिच पर जुनून, राजनीति की गलियों में संघर्ष और टीवी की दुनिया में

ठहाकों की गूंज। नवजोत सिंह सिद्धू की जिंदगी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं। एक बल्लेबाज, नेता, टीवी स्टार और प्यार में डूबा जीवनसाथी। सिद्धू ने हर मोड़ पर अपनी अलग पहचान बनाई, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब उनके अंदर संवाद की कमजोरी थी और वे बातचीत में थोड़ा शर्मीले थे। यहां तक कि स्कूल में 'छुट्टी' शब्द तक नहीं बोल पाते थे। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद सिद्धू ने कमेंट्री की ओर रुख किया। उनकी कमेंट्री स्टाइल बेहद जोशीली, धाराप्रवाह और मनोरंजक है, जिसके कारण वे कमेंट्री बॉक्स में 'सिक्सर सिद्धू' और 'कमेंट्री बॉक्स के सरदार' के नाम से प्रसिद्ध हुए। उनकी हाजिरजवाबी, प्रेरक बातें और

वन-लाइनर लोगों के दिलों तक पहुंचने लगे, जिससे उनका व्यक्तित्व और प्रभाव बढ़ा। नवजोत सिंह सिद्धू की यह कहानी बताती है कि कैसे एक शर्मीला व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और मेहनत से चमकता हुआ मशहूर टीवी कमेंटेटर, रियलिटी शो का जज और मोटिवेशनल स्पीकर बन सकता है। उन्होंने अपने जीवन में आए उतार-चढ़ाव को अपने अनुभव के रूप में लिया और अपने व्यक्तित्व को नया रूप दिया। 20 अक्टूबर 1963 को पटियाला, पंजाब में जन्मे नवजोत सिंह सिद्धू का बचपन क्रिकेट के जुनून में बीता। उनके पिता भगवंत सिंह खुद एक मशहूर क्रिकेटर थे, जिनसे सिद्धू ने क्रिकेट का पहला पाठ सीखा। सिद्धू ने अपनी शुरुआती पढ़ाई पटियाला के यदविंद्र पब्लिक स्कूल से की। पढ़ाई के साथ-साथ उनका मन हमेशा क्रिकेट के मैदान में रमता रहा। कॉलेज पहुंचने तक सिद्धू की पहचान एक होनहार बल्लेबाज के रूप में हो चुकी थी। आगे चलकर उन्होंने भारतीय टीम में जगह बनाकर देश का नाम रोशन किया। सिद्धू की लव स्टोरी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं। कॉलेज के दिनों में वह नवजोत कौर से पहली नजर में ही प्यार करने लगे थे। वे घंटों कॉलेज के बाहर धूप में सिर्फ उन्हें देखने खड़े रहते थे। नवजोत कौर उस समय एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थीं। दोनों के बीच धीरे-धीरे दोस्ती हुई और वक्त के साथ रिश्ता गहराता चला गया। लंबे इंतजार और समर्पण के बाद सिद्धू ने उन्हें प्रपोज किया। शादी से पहले सिद्धू ने नवजोत कौर की जन्मपत्री मिलवाई और जब 36 में से पूरे 36 गुण मिले तो दोनों ने शादी कर ली। शादी के बाद सिद्धू और नवजोत कौर दो बच्चों, बेटे करण और बेटी राबिया के माता-पिता बने। नवजोत कौर राजनीति और समाजसेवा में भी सक्रिय रहीं, अमृतसर से विधायक बनकर उन्होंने जनता की सेवा की, लेकिन जीवन में एक वक्त ऐसा आया जब नवजोत को कैंसर ने घेर लिया। उस कठिन समय में सिद्धू ने हर पल उनका साथ निभाया। साल 2023-24 में नवजोत कौर ने कैंसर को मात दी। इस दौरान सिद्धू ने सोशल मीडिया पर अपनी पत्नी के लिए भावुक संदेश लिखे- 'तुम्हारे बिना जीना नहीं आता नोनी।' यह संदेश उनके अटूट प्रेम और साथ निभाने के वादे की मिसाल बन गया। 1983 में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टेस्ट टीम से शुरुआत करने वाले सिद्धू का करियर कई उतार-चढ़ाव से गुजरा। शुरू में उन्हें तकनीकी कमजोरियों के लिए आलोचना मिली, लेकिन 1987 के विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने लगातार छक्के मारकर 'सिक्सर सिद्धू' का दर्जा पा लिया। इनके नाम 51 टेस्ट और 136 वनडे हैं, जिसमें कई यादगार पारी शामिल हैं। 1999 में अचानक क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कई बार टीम के चयनकर्ताओं और मैनेजमेंट से मतभेद का खुलासा किया। यही चुनौती उन्हें राजनीति और टीवी के सफर पर ले आई। 2004 में बीजेपी के टिकट से अमृतसर से सांसद बने। संसद में शेरो-शायरी और आक्रामक भाषण से उनको अलग पहचान मिली। 2016 में बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए, 2017 में पंजाब सरकार में मंत्री बने। पार्टी के भीतर मतभेदों ने भी कई बार सुर्खियां बटोरीं। क्रिकेट से संन्यास के बाद टीवी पर कमेंटेटर के तौर पर नई पारी शुरू हुई। उनके वन-लाइनर्स, जोश और हिंदी शायरी दर्शकों को भा गई। 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' और 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में उनकी मौजूदगी ने शो को एक अलग ऊंचाई दी। कपिल शर्मा शो में उनकी ठहाकों की सीट लोगों में लोकप्रिय थी। 2019 में पुलवामा हमले के बाद सिद्धू के बयान को लेकर विवाद हुआ। जनता के दबाव में उन्हें शो से निकालना पड़ा। उनकी कुर्सी पर अर्चना पूरन सिंह आईं, जिन्होंने सिद्धू की जगह ली और आज तक शो की जान बनी हुई हैं। सिद्धू के लिए यह बड़ा झटका था। टेलीविजन की दुनिया में वापसी सिद्धू ने जज के रूप में 'इंडियाज गॉट टैलेंट' से की। शो के दौरान उन्होंने संघर्ष को याद करते हुए कहा–'गिरना जरूरी है, तभी उठना आता है।' यह शो सिद्धू की हंसी, शेरो-शायरी और आत्मविश्वास से भरी वापसी है। सिद्धू कहते हैं- अगर मुझे एक घंटा बोलना हो तो मैं एक मिनट भी तैयारी नहीं करता, लेकिन आधे घंटे के लिए दस मिनट और तीन मिनट के लिए पूरा एक घंटा तैयारी करता हूं। सही शब्द चुनना और कम शब्दों में बात को साफ कहना ही कमेंट्री की ताकत है। कई बार एक लाइन पूरी कहानी बयान कर देती है। यह हुनर किताबों से नहीं आता, यह तब आता है जब आप खुद को समझते हैं। जैसे सागर मंथन से अमृत निकलता है, वैसे ही

ध्यान और अभ्यास से भीतर की शक्ति जागती है। जो कुछ ब्रह्मांड में है, वह हमारे भीतर भी है। लोग बाहर भटकते हैं, जबकि असली जवाब भीतर छुपा है- जैसे कस्तूरी मृग अपनी नाभि की खुशबू के लिए जंगलों में फिरता है। 36 साल क्रिकेट खेलने के बाद मैंने अपने खान-पान को अनुशासित किया, मन को गुलाम बनाने वाली आदतों को चैनलाइज किया और योगी बन गया। इंद्रियां बहुत प्रबल हैं, लोग दिखावे में खोए रहते हैं, लेकिन मैं भीतर उतरा हूं। असली

ताकत हर इंसान के अंदर है, बस ढूंढनी पड़ती है। पहले मन उलझन और नकारात्मक सोच में फंसा था। स्वामी विवेकानंद को पढ़कर समझ आया कि असली सुख

ने क्रिकेट का पहला पाठ सीखा। सिद्धू ने अपनी शुरुआती पढ़ाई पटियाला के यदविंद्र पब्लिक स्कूल से की। पढ़ाई के साथ-साथ उनका मन हमेशा क्रिकेट के मैदान में रमता रहा। कॉलेज पहुंचने तक सिद्धू की पहचान एक होनहार बल्लेबाज के रूप में हो चुकी थी। आगे चलकर उन्होंने भारतीय टीम में जगह बनाकर देश का नाम रोशन किया। सिद्धू की लव स्टोरी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं। कॉलेज के दिनों में वह नवजोत कौर से पहली नजर में ही प्यार करने लगे थे। वे घंटों कॉलेज के बाहर धूप में सिर्फ उन्हें देखने खड़े रहते थे। नवजोत कौर उस समय एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थीं। दोनों के बीच धीरे-धीरे दोस्ती हुई और वक्त के साथ रिश्ता गहराता चला गया। लंबे इंतजार और समर्पण के बाद सिद्धू ने उन्हें प्रपोज किया। शादी से पहले सिद्धू ने नवजोत कौर की मिली। 2016 में बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए, 2017 में पंजाब सरकार में मंत्री बने। पार्टी के भीतर मतभेदों ने भी कई बार सुर्खियां बटोरीं। क्रिकेट से संन्यास के बाद टीवी पर कमेंटेटर के तौर पर नई पारी शुरू हुई। उनके वन-लाइनर्स, जोश और हिंदी शायरी दर्शकों को भा गई। 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' और 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में उनकी मौजूदगी ने शो को एक अलग ऊंचाई दी। कपिल शर्मा शो में उनकी ठहाकों की सीट लोगों में लोकप्रिय थी। 2019 में पुलवामा हमले के बाद सिद्धू के बयान को लेकर विवाद हुआ। जनता के दबाव में उन्हें शो से निकालना पड़ा। उनकी कुर्सी पर अर्चना पूरन सिंह आईं, जिन्होंने सिद्धू की जगह ली और आज तक शो की जान बनी हुई हैं। सिद्धू के लिए यह बड़ा झटका था। टेलीविजन की दुनिया में वापसी सिद्धू ने जज के

के सामने बोलता है। मन शांत हो तो जिंदगी सुंदर दिखती है। झील का पानी स्थिर हो तो चांद की परछाई साफ दिखती है, वही हाल मन का है। जिंदगी जल्दबाजी से नहीं मिलती, शांति में जीनी पड़ती है। लोग बाहर से मुझे वन-लाइनर, शायरी और भीतर है। वही लड़का जो स्कूल के सामने 'छुट्टी' शब्द तक नहीं बोल पाता था, आज लाखों लोगों का मौका छीन लेते हैं। राहुल द्रविड़ ने कहा था- 'एक गेंद पर ध्यान दो, पूरी पारी नहीं।' नवजोत सिंह सिद्धू को 1988 के एक विवादित रोड रेज केस में सुप्रीम कोर्ट ने एक साल की सजा सुनाई थी। इस गंभीर मामले में 27 दिसंबर 1988 को पटियाला में उनकी कार पार्किंग को लेकर 65 वर्षीय गुरनाम सिंह से कहासुनी हुई थी, जो बाद में हाथापाई में बदल गई। सिद्धू ने गुरनाम सिंह को घुटना मारकर गिरा दिया था। गुरनाम सिंह को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। रिपोर्ट में बताया गया कि उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई थी। इस घटना को लेकर सिद्धू और उनके दोस्त रूपिंदर सिंह संधू के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज हुआ था। मामला कोर्ट के कई स्तरों से गुजरा। शुरू में सेशन कोर्ट ने सिद्धू को बरी कर दिया था, लेकिन बाद में हाईकोर्ट ने उन्हें छह साल की सजा (दोनों को तीन-तीन साल की) सुनाई और जुर्माना लगाया। इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने कई बार इस केस की सुनवाई की और 2018 में गैर इरादतन हत्या के आरोपों से सिद्धू को बरी कर दिया, लेकिन चोट पहुंचाने के मामले में दोषी ठहराया गया और रु1000 का जुर्माना लगाया। इस फैसले पर पुनर्विचार याचिका दाखिल होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अंततः 2022 में सिद्धू को एक साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई। सजा सुनाए जाने के बाद सिद्धू ने अदालत में आत्मसमर्पण किया और पटियाला केंद्रीय जेल में बंद रहे। हालांकि उनके अच्छे व्यवहार के चलते उन्हें निर्धारित एक साल की सजा से पहले, करीब 10 महीने बाद जेल से रिहा कर दिया गया। जेल से बाहर निकलते ही उन्होंने सरकार पर लोकतंत्र की स्थितियों को लेकर तीखा हमला बोला।



# एशियन एक्वाटिक्स चैंपियनशिप में विवाद,वॉटर पोलो खिलाड़ियों ने कमर के नीचे ड्रेस पर तिरंगा लगाया, मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

नयी दिल्ली। अहमदाबाद में चल रही एशियन एक्वाटिक्स चैंपियनशिप के दौरान भारत की

मेंस वॉटर पोलो टीम विवादों में घिर गई है। मैच के दौरान भारतीय खिलाड़ियों के स्विमिंग ट्रंक (तैराकी की आधिकारिक ड्रेस) पर भारत का तिरंगा लगा हुआ था।

इसे लेकर राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने के आरोप लगे हैं। नियमों के अनुसार, ध्वज को स्विमिंग कैप पर लगाया जाना चाहिए था।

खेल मंत्रालय और भारतीय ओलिंपिक संघ ने स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया से रिपोर्ट मांगी है। अधिकारियों ने कहा कि खिलाड़ियों को तिरंगा ट्रंक पर नहीं, बल्कि कैप पर लगाना चाहिए था।

यह विवाद मुख्य रूप से भारत के ध्वज संहिता 2002 और प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट, 1971' के उल्लंघन से जुड़ा है।

जो राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और उपयोग को लेकर सख्त नियम लागू करता है। इन नियमों के अनुसार- राष्ट्रीय ध्वज को कमर के नीचे पहने जाने वाले कपड़ों पर लगाना वर्जित है। तिरंगे का डिजाइन अंडरगारमेंट्स, कुशन, नैपकिन या रूमाल जैसी वस्तुओं पर छापना या कढ़ाई करना गैरकानूनी है।

झंडे को जमीन पर गिराना या पानी में डुबोना भी अपमानजनक कृत्य माना जाता है। इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के चार्टर के अनुसार, खिलाड़ियों या टीमों के लिए राष्ट्रीय झंडा लगाना अनिवार्य नहीं है।

यह पूरी तरह खिलाड़ियों और उनके देश की पसंद पर निर्भर करता है। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने गलती स्वीकार कर ली है और कहा कि आगे से तिरंगा केवल कैप पर लगाया जाएगा, न कि स्विमिंग ट्रंक पर।

हमने नियमों की समीक्षा की है और हम भारतीय संवेदनशीलता को समझते हैं।

# ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 107 रन से हराया,बेथ मूनी ने शतक लगाया, 9वें विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी की

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में बुधवार को पाकिस्तान पर 107 रन की जीत

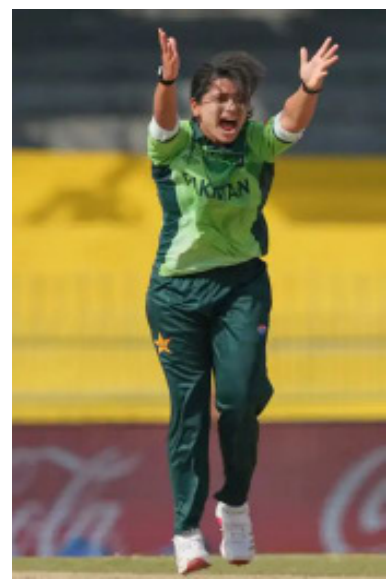

दर्ज की। यह ऑस्ट्रेलिया की इस टूर्नामेंट में दूसरी जीत है। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में 222 रन का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तानी टीम 36.3 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। सिद्रा अमीन ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। किम गर्थ को 3 विकेट मिले। मेगन शूट और एनाबेल सदरलैंड को 2 विकेट मिले। टॉस हारकर पहले बैटिंग कर रही ऑस्ट्रेलिया ने 76 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में बेथ मूनी ने शतकीय पारी खेलकर 50 ओवर में टीम स्कोर 221/9 पहुंचा दिया। बेथ मूनी ने 114 बॉल पर 109 रन की पारी खेली। इस पारी में 11 चौके शामिल रहे। मूनी ने अलाना किंग के साथ 9वें विकेट के लिए 106 रन की साझेदारी की। यह विमेंस वनडे क्रिकेट के इतिहास में 9वें नंबर की सबसे बड़ी साझेदारी है। पाकिस्तानी स्पिनर नाशरा संधू ने 3 विकेट झटके। कप्तान फातिमा सना और रमीन शमीम ने 2-2 विकेट लिए। नंबर-4 पर बैटिंग करने उतरीं बेथ मूनी ने पारी को संभाला। उन्होंने 109 रन की शतकीय पारी खेली। वे एक छोर से रन बनाती रहीं, जबकि दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। मूनी के सामने एनाबेल सदरलैंड 1, एश्ले गार्डनर 1 और ताहलिया मैक्ग्रा 5 रन बनाकर आउट हुईं। जार्जिया वेयरहम तो खाता भी नहीं खोल सकीं। मूनी ने लगातार विकेट गंवा रही ऑस्ट्रेलियाई टीम को 200 के पार पहुंचाया। उन्होंने 2 अहम साझेदारियां कीं। उन्होंने किम गार्थ के साथ 8वें विकेट के लिए 75 बॉल पर 39 रनों की साझेदारी की। गार्थ ने 47 गेंद पर 11 रन बनाए। मूनी ने 9वें विकेट के लिए अलाना किंग के साथ 90 गेंद पर 106 रन की साझेदारी की। यह 9वें विकेट के लिए विमेंस वनडे में सबसे बड़ी साझेदारी है। ऑस्ट्रेलिया की 10वें नंबर की बल्लेबाज अलाना किंग ने अर्धशतकीय पारी खेली। वे 49 बॉल पर 51 रन बनाकर नॉटआउट लौटीं। वे 115 रन के स्कोर पर किम गार्थ के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आईं और बेथ मूनी के साथ मिलकर स्कोर 200 के पार पहुंचा दिया। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 30 रन पर पहला विकेट गंवा दिया। कप्तान एलिस हीली 23 बॉल पर 20 रन बनाकर सादिया इकबाल को विकेट दे बैठीं। अगले ही ओवर में फीब लिचफील्ड भी आउट हो गईं।

# भोजन में ढेर सारी सब्जियां खाने की आदतःसब्जी खाने से दिमाग होता तेज, बढ़ती उम्र, कब्ज, अपच, बीमारियां दूर रहती हैं

नयी दिल्ली। दुनिया में 5 ब्लू जोन हैं। यहां के लोगों की औसत उम्र 100 साल से ज्यादा है। ये लोग लंबे जीवन के लिए 9 नियम

अपनाते हैं। उनमें सबसे खास है कि प्लांट बेस्ड खाना ही खाएंगे। ऐसी सभी चीजें खाएंगे, जो पेड़-पौधों के रूप में प्रकृति ने हमें दी हैं। ये खाने में ज्यादा-से-ज्यादा सब्जियां शामिल करते हैं। इसमें कोशिश ये होती है कि जितने ज्यादा रंगों की सब्जियां खाने में शामिल कर सकें। सब्जियां विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर से भरपूर होती हैं। इनसे मिले न्यूट्रिएंट्स से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और डाइजेस्टिव सिस्टम बेहतर होता है। इससे हार्ट डिजीज, स्ट्रोक और टाइप-2 डायबिटीज जैसी क्रॉनिक बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है। खास बात ये है कि इनमें कैलोरी और फाइबर कम होता है। आज 'गुड हैबिट्स' कॉलम में ज्यादा सब्जियां खाने की आदत के बारे में जानेंगे। साथ ही जानेंगे कि- खाने में सब्जियां ज्यादा क्यों होनी चाहिए? ज्यादा

सब्जियां खाने के क्या फायदे हैं? सब्जियां क्यों हैं इतनी खास? सब्जियां हमारे शरीर के लिए एक सुपरफूड की तरह हैं। इनमें विटामिन्स, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो हमें अंदर से मजबूत बनाते हैं। लेकिन ऐसा क्या है जो इन्हें इतना जरूरी बनाता है? विटामिन और मिनरल्स का खजाना- फल और सब्जियां विटामिन ए,सी,ई और मिनरल्स जैसे मैग्नीशियम, जिंक, फॉस्फोरस और फोलिक एसिड से भरपूर होती हैं। पोटेशियम के लिए एवोकाडो, शकरकंद, केला, आलूबुखारा और टोमैटो प्यूरी खाएं। स्वाद और टेक्सचर की ढेरों वैरायटी- हर फल और सब्जी का स्वाद और बनावट अलग होती है। आप चाहें तो तीखे स्वाद वाले प्याज, जैतून और मिर्च ट्राई करें या फिर हल्के स्वाद वाले मशरूम और कॉर्न। मीठा खाने का मन हो तो अंगूर, अनन्नास और आलूबुखारा खाएं और खट्टे स्वाद के लिए नींबू और चकोतरा बढ़िया हैं। फाइबर से भरपूर- अधिकतर फल और सब्जियां फाइबर से भरपूर होते हैं, जो पेट भरने और पाचन को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। ज्यादा फाइबर वाली सब्जियां हैं- मटर, ब्रोकली और फूलगोभी। फाइबर वाले फल हैं- रसभरी, नाशपाती और सेब। कम कैलोरी, कम फैट- अमूमन फल और सब्जियां कम कैलोरी और फैट वाली होती हैं, इसलिए इन्हें ज्यादा मात्रा में खा सकते हैं बिना वजन बढ़ने की चिंता के। उदाहरण के तौर पर, आधा कप अंगूर खाने से आप एक चौथाई कप के मुकाबले 200 से ज्यादा कैलोरी बचा सकते हैं। हां,



एवोकाडो, जैतून और नारियल जैसे कुछ अपवाद भी हैं जिनमें थोड़ा ज्यादा फैट होता है। बीमारियों से बचाव- फल और सब्जियों में कुछ खास प्राकृतिक तत्व फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कई बीमारियों से बचाव करते हैं। इन्हें खाने से डायबिटीज टाइप 2, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर और कैंसर का खतरा कम हो सकता है। खासकर ब्रोकली, पत्ता गोभी, सरसों और जलकुंभी जैसी क्रूसीफेरस सब्जियां कैंसर से बचाव में मददगार मानी जाती हैं। अच्छी सेहत में मददगार- इनमें सैचुरेटेड फैट, नमक और चीनी बहुत कम होती है, इसलिए ये बैलेंस्ड डाइट का हिस्सा बनती हैं। ये वजन कम करने या बढ़ने से बचाने में मदद करती हैं। साथ ही सूजन कम करने, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर घटाने में भी असरदार हैं। बहुत कम सोडियम और कोलेस्ट्रॉल- ताजे फल और सब्जियों में सोडियम बहुत कम होता है। जैसे बहुत लोग मानते हैं कि सेलरी में सोडियम ज्यादा होता है, लेकिन एक डंठल में सिर्फ 30 मिलीग्राम होता है, जो सिर्फ 1फीसदी डेली वैल्यू है। सब्जियां कैसे खाएं? अब सवाल यह है कि सब्जियों को अपनी रोज की डाइट में कैसे शामिल करें। बहुत से लोग सोचते हैं कि सब्जियां

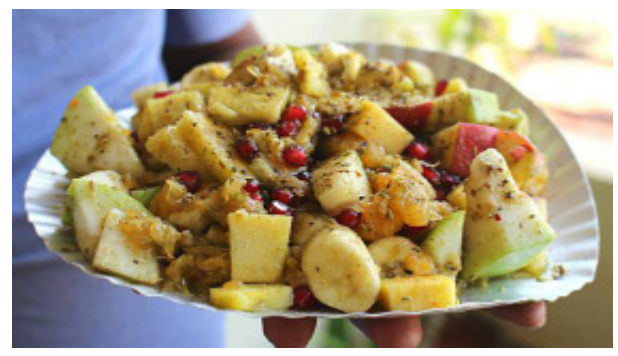

खाना बोरिंग है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। कुछ आसान तरीके हैं-सब्जियों को सलाद बनाएंः पालक, टमाटर, खीरा और गाजर को मिलाकर एक रंग-बिरंगा सलाद तैयार करें। थोड़ा नींबू और नमक डालें, मजा दोगुना हो जाएगा। सूप में डालकर खाएंः ठंड के दिनों में सब्जियों का सूप बनाएं। गाजर, मटर और ब्रोकली डालकर इसे सेहतमंद और स्वादिष्ट बनाएं। भूनकर खाएंः आलू, शिमला मिर्च और बैंगन को हल्का तेल लगाकर भून लें। यह नाश्ते के लिए भी बढ़िया है। स्मूदी ट्राई करेंः पालक या चुकंदर को फलों के साथ ब्लेंड करें। यह पीने में आसान और पोषण से भरपूर होता है। दाल में मिलाकर खाएंः अपनी रोज की दाल में थोड़ी सी सब्जियां डालें, जैसे लौकी या पालक। स्वाद और सेहत दोनों बेहतर होते हैं। सब्जियां खाने के फायदे - सब्जियां खाने से हमारे शरीर को ढेर सारे फायदे मिलते हैं। इसके कुछ खास फायदे हो सकते हैं- पेट की सेहत बेहतर रहती है सब्जियों में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और कब्ज की समस्या नहीं होने देता। बीमारियों से बचाव होता है सब्जियों में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। वजन कंट्रोल में रहता है सब्जियां कैलोरी में कम और पोषण में ज्यादा होती हैं, जिससे वजन बढ़ने का खतरा नहीं रहता और शरीर फिट रहता है। दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ती है हरी सब्जियों में पाए जाने वाले विटामिन्स और मिनरल्स मस्तिष्क को सक्रिय रखते हैं और याददाश्त बेहतर बनाते हैं। त्वचा निखरती है- विटामिन ए और सी से भरपूर सब्जियां त्वचा को स्वस्थ, चमकदार और जवां बनाए रखने में मदद करती हैं। हर दिन कम से कम 2-3 कटोरी सब्जियां खानी चाहिए। इससे न सिर्फ शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि आपका मूड भी अच्छा रहता है। सब्जियां न खाने का नुकसान- अगर सब्जियां नहीं खाते, तो शरीर को जरूरी तत्व नहीं मिलते। इम्यूनिटी कमजोर होती है, पेट खराब रहता है और वजन बढ़ने का खतरा रहता है। लंबे समय तक ऐसा चला तो डायबिटीज और हार्ट की बीमारियां भी हो सकती हैं। आपके शरीर को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है- पाचन की दिक्कतः फाइबर की कमी से पेट खराब रहता है। कमजोरीः विटामिन्स न मिलने से थकान जल्दी होती है। बीमारियों का खतराः दिल और डायबिटीज जैसी बीमारियां बढ़ सकती हैं। वजन बढ़ता हैः सब्जियों की जगह जंक फूड खाने से मोटापा हो सकता है। सब्जियों को खाने में कैसे शामिल करें? सब्जियां खाना कोई मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ा सा दिमाग लगाएं और ये आपकी जिंदगी का हिस्सा बन जाएंगी। मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। पहले मुझे पालक और भिंडी बिल्कुल पसंद नहीं थे। कुछ आसान तरीके आजमाएं और अब मेरी थाली में हर दिन कोई न कोई सब्जी जरूर होती है। सब्जियां खाना सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं, पूरी जिंदगी के लिए फायदेमंद है। ये छोटी-सी आदत आपको लंबा और खुशहाल जीवन दे सकती है। आज से ही शुरू करें। अपनी थाली में रंग भरें और देखें कि आपका शरीर और मन दोनों कैसे खिल उठते हैं।

# बच्चों पर ध्यान नहीं देंगे तो विकसित भारत कैसे बनेगा?

पिछले महीने मैंने एक दोस्त के साथ हरियाणा के नूंह जिले में एक दिन बिताया। दिल्ली से नूंह

का रास्ता गुरुग्राम होकर जाता है, जहां चिकने हाईवे, विशाल मॉल और आलीशान रिसॉर्ट नजर आते हैं। लगता है, जैसे आप दुबई या शंघाई में हों। नूंह बस 50 किमी आगे है। वहां का नजारा बिहार या यूपी के किसी वंचित इलाके जैसा है। चारों तरफ खाली खेत दिखाई दे रहे हैं। कुछ बच्चे पानी से भरे खेतों में मछली पकड़ रहे हैं। शांत भैंसें इधर-उधर टहल रही हैं। गांव भी सुस्त हैं। हम नूंह से करीब पांच किमी दूर एक गांव में रुके। वहां प्राथमिक विद्यालय में 189 बच्चे हैं, लेकिन एक ही शिक्षक है। वह अपने कार्यालय में असहाय बैठा था। बच्चे बिना यूनिफॉर्म के इधर-उधर घूम रहे थे। जरा भी अनुशासन नहीं था। पढ़ाई दूर की बात थी। उसी परिसर में एक आंगनवाड़ी केंद्र था। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आयशा सक्षम और सक्रिय लग रही थी, लेकिन उसकी स्थिति स्कूल के शिक्षक से बेहतर नहीं थी। ईंधन का भुगतान नहीं होने के कारण इस इलाके की आंगनवाड़ियों में मध्याह्न भोजन कई महीनों से नहीं पक रहा है। पहले आयशा स्कूल के मिड-डे मील से बच्चों को थोड़ा-बहुत खाना देती थी, लेकिन अब वह इतना भी नहीं कर पा रही है क्योंकि उसे ई-केवाईसी पर ध्यान देने का आदेश दिया गया है। वजह यह है कि सरकार बच्चों के टेक-होम राशन के वितरण में चेहरे की पहचान (फेस रिकग्निशन) लगाना चाहती है। इस कारण आयशा का सारा समय ई-केवाईसी में ही बीत जाता है। ई-केवाईसी एक जटिल प्रक्रिया है। इसकी शुरुआत पोषण ऐप में मां का आधार नंबर दर्ज करने से होती है। फिर उस आधार नंबर से जुड़े मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आता है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को मां की नई फोटो के साथ इस ओटीपी को पोषण ऐप में दर्ज करना होता है। फिर ऐप इस फोटो का मिलान आधार डेटाबेस में मौजूद मां की फोटो से करता है। अगर दोनों तस्वीरें मेल खाती हैं, तो ई-केवाईसी पूरी हो जाएगी। आयशा को इस प्रक्रिया में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। मसलन, कुछ महिलाओं का आधार फोटो नंबर से लिंक नहीं है। कई बार मां का आधार उसके पति के मोबाइल से लिंक है, और जब फोन पर ओटीपी पूछा जाता है, तो पति घबराता है। कभी-कभी ओटीपी देर से आता है, या आता ही नहीं। कभी-कभी ऐप अटक जाता है या कोई ऐसा एरर मैसेज दिखाता है, जिसे आयशा समझ नहीं पाती। कभी तस्वीरें मेल नहीं खातीं। बार-बार कोशिश करने से अक्सर ई-केवाईसी प्रक्रिया में काफी समय लगता है। तब तक कुछ माताएं नाराज या शंकालु हो जाती हैं। पिछले दो महीने से आयशा इसमें लगी हुई है, लेकिन ई-केवाईसी का काम अभी भी अधूरा है। इस बीच, आंगनवाड़ी ठप पड़ी है। हमने दूसरे गांव में एक और आंगनवाड़ी देखी, इस उम्मीद में कि वहां स्थिति बेहतर होगी। लेकिन, कनेक्टिविटी की समस्या के कारण वहां स्थिति और भी बदतर थी। कई हफ्ते की कड़ी मेहनत के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता 150 में से केवल 28 माताओं का ही ई-केवाईसी पूरा कर पाई थी। वह इतनी तनाव में थी कि उन्हें रात में ई-केवाईसी के बुरे सपने आने लगे। हाल के वर्षों में केवल नूंह में ही आंगनवाड़ी कार्यक्रम को कमजोर नहीं किया गया है। केंद्रीय बजट में इस कार्यक्रम का आवंटन आज, वास्तविक रूप से, दस साल पहले की तुलना में कम है। कई साल से बाल पोषण के लिए लागत मानदंड नहीं बढ़ाए गए हैं। केवल ऐप के ऊपर ऐप लगाए जा रहे हैं। लेकिन सवाल है- अगर बच्चों पर ध्यान नहीं देंगे तो विकसित भारत कैसे बनेगा? सीढ़ी पर कदम-दर-कदम चढ़ना पड़ता है। लेकिन भारत कई बार सीधे शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश करता नजर आता है। बच्चों को पका हुआ भोजन सुनिश्चित करने के बदले में हम आंगनवाड़ियों में फेस रिकग्निशन की तकनीक लगा रहे हैं। मध्याह्न भोजन में रोज एक अंडा शामिल करना शायद एक बेहतर विचार हो। बेशक, इससे हाई-टेक कंपनियों का मुनाफा नहीं बढ़ेगा। इनमें से कुछ कंपनियों के दफ्तर उन्ही महलों में हैं, जो वापस लौटते समय गुरुग्राम में फिर से दिखाई दे रहे थे। वे सीढ़ी के शीर्ष पर खुश हैं। लेकिन अगर सीढ़ी का निचला हिस्सा कमजोर हो, तो क्या सीढ़ी टिक पाएगी? किसी सीढ़ी पर हमें कदम-दर-कदम चढ़ना पड़ता है। लेकिन भारत कई बार सीधे ही शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश करता नजर आता है। बच्चों को पका हुआ भोजन सुनिश्चित करने के बदले में हम आंगनवाड़ियों में फेस रिकग्निशन की तकनीक लगा रहे हैं! (ये लेखक के अपने विचार हैं)

# ट्रम्प के बहकावे में नहीं आने वाली है नोबेल समिति

ट्रम्प ने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा से कहा कि 'सभी कहते हैं कि मुझे नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए, क्योंकि मैंने सात महीनों में सात कभी ना खत्म होने

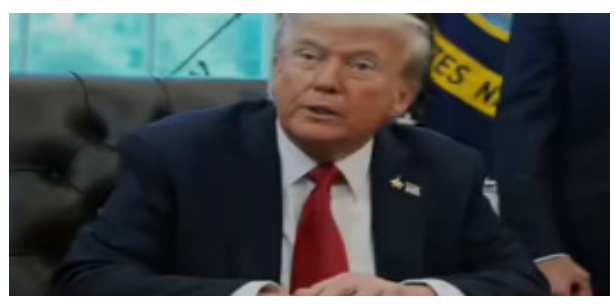

वाले युद्धों को समाप्त किया।' यह खालिस ट्रम्प शैली का दावा था- अतिशयोक्ति से भरा, बेहिचक और लेकिन निरा झूठ! हाल का एक सर्वेक्षण बताता है कि केवल 22फीसदी अमेरिकी वयस्क मानते हैं कि ट्रम्प को नोबेल मिलना चाहिए। 76फीसदी ने कहा कि वे इसके हकदार नहीं हैं। यह दर्शाता है कि ट्रम्प ने सात युद्ध समाप्त नहीं कराए हैं। शायद एक युद्ध भी नहीं! ट्रम्प के कुछ दावे तो कोरी कल्पना हैं। मसलन, उन्होंने ईजिप्ट और इथियोपिया के बीच युद्ध खत्म कराने का श्रेय लिया। ग्रैंड इथियोपियन रेनेसां डैम को लेकर द्विपक्षीय तनाव भले वर्षों से हो, लेकिन कभी युद्ध में नहीं बदला। इसी तरह ट्रम्प ने कोसोवो और सर्बिया के बीच एक काल्पनिक युद्ध को समाप्त कराने का दावा किया। शत्रुता के इतिहास के बावजूद 1990 के दशक के बाद से दोनों देशों में कभी युद्ध नहीं हुआ। ऐसे युद्ध को खत्म कराना सबसे आसान है, जो कभी शुरू ही नहीं हुआ। आर्मेनिया और कम्बोडिया के बीच युद्ध को लेकर ट्रम्प का दावा शायद सबसे ज्यादा हास्यास्पद था। दोनों देशों के बीच करीब 6,500 किलोमीटर की दूरी है और उनके बीच कभी कोई संघर्ष हुआ ही नहीं। आर्मेनिया का इस साल पड़ोसी अजरबैजान के साथ टकराव जरूर हुआ था और ट्रम्प ने दोनों देशों को संघर्ष खत्म करने संबंधी संयुक्त घोषणा पत्र पर दस्तखत करने के लिए राजी कर लिया। लेकिन उस समझौते का अनुपालन रुक गया है। फिर भी ट्रम्प द्वारा लड़ाई को समाप्त मान लेना शांति स्थापना के प्रति उनकी अनदेखी को दर्शाता है। उन्होंने कांगो और रवांडा के बीच युद्ध को लेकर भी 'शानदार' अमेरिकी मध्यस्थता का दावा किया। लेकिन कागजों में युद्ध समाप्त होने के बावजूद झड़पें जारी हैं। कम्बोडिया और पड़ोसी थाइलैंड के बीच जुलाई में सीमा को लेकर झड़पें हुईं थीं। लेकिन इसे समाप्त कराने में ट्रम्प का आर्थिक दबाव ज्यादा कारगर नहीं रहा, बल्कि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) की कूटनीति इसका कारण रही। आसियान अध्यक्ष और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कुआलालम्पुर में कम्बोडियाई और थाई नेताओं की बातचीत कराई। भले ही प्राचीन हिंदू मंदिरों के स्वामित्व को लेकर पनपा सीमा विवाद अनसुलझा ही रहा, लेकिन अनवर की मध्यस्थता में हुए बिना शर्त युद्धविराम ने हिंसा रोक दी। यह इकलौता उदाहरण नहीं, जब ट्रम्प ने दूसरों की विदेश नीति की समझ का श्रेय लेने की कोशिश की हो।

# एक व्यस्त कर्मचारी की गतिविधियां परिणाम क्यों नहीं दे पाती?

आज से सात दिन बाद, यानी 15 अक्टूबर से 15 दिसंबर तक शुभमन गिल 19,066 एयरोनॉटिकल माइल्स की यात्रा करेंगे। इसमें वह ऑस्ट्रेलिया में तीन वनडे और पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच और इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेंगे। इस दौरान अन्य खिलाड़ी भी इतनी ही यात्रा करेंगे, लेकिन गिल पर दबाव अधिक होगा। क्योंकि वह टेस्ट मैच के कप्तान और सूर्य कुमार यादव की कप्तानी वाली टी-20 टीम के उप-कप्तान हैं। हाल ही में उन्हें रोहित शर्मा की जगह वनडे टीम का कप्तान भी बनाया गया है। देश का हर क्रिकेट प्रेमी इस स्पेशलिस्ट बल्लेबाज से जीत और चमत्कार की उम्मीद करता है। यात्रा के दौरान बातचीत में एक सह-यात्री ने क्रिकेट का जिक्र तब किया, जब एक अन्य ने यह जोड़ा कि 'क्यों आज के शिक्षकों की अच्छी टीचिंग भी स्कूलों में बेहतर परिणाम नहीं दे रही?' और गिल की नई भूमिका के बारे में सुनकर उसने स्वयं ही जवाब दिया। उसने कहा कि हमारे समय में शिक्षकों को एक जिम्मेदारी दी जाती थी कि बच्चों को पहले एक जिम्मेदार बेटा/बेटी, फिर एक अच्छा नागरिक बनाएं और बाद में समय बचे तो कुछ शैक्षिक ज्ञान दें। आज शिक्षक की स्थिति अलग है। स्कूल प्रबंधन उन्हें दस मिनट भी खाली नहीं देख सकता, जो वास्तव में अगली कक्षा से पहले शिक्षक का सोचने का समय होता है। वे तुरंत उन्हें प्रशासनिक या गैर-शैक्षणिक कार्य दे देते हैं। इससे ये युवा शिक्षक ऐसी कठपुतली बन जाते हैं, जो बहुत-से ईमेल, प्रोजेक्ट्स और नए दाखिलों जैसी अत्यधिक मल्टीटास्किंग में उलझे होते हैं। यह ठीक वही बात है, जिसके बारे में कैल न्यूपोर्ट ने अपनी नई किताब 'डीप वर्क : रूल्स फॉर फोकस्ड सक्सेस इन अ डिस्ट्रैक्टेड वर्ल्ड' में बताया है। वे बताते हैं कि कैसे आज के पेशेवर गुणवत्ता से ज्यादा मात्रा को महत्व देने लगे हैं और इसने कैसे उन्हें अत्यधिक मल्टीटास्किंग वाले पेशेवरों में बदल दिया है। न्यूपोर्ट का कहना है कि 'यह उन्हें ऐसा 'डीप वर्क' करने से रोकता है, जो कि सभी भटकावों से मुक्त एक केंद्रित कार्य होता है।' न्यूपोर्ट अपने तर्कों को मजबूती देने के लिए साइकोलॉजी और न्यूरोसाइंस के सिद्धांतों का इस्तेमाल करते हैं। वे बताते हैं कि किसी व्यक्ति की ज्ञान संबंधी क्षमताओं को कैसे बेहतर किया जाए और नियोक्ताओं को कैसे कर्मचारियों को प्रोत्साहित करना चाहिए कि वे प्रोजेक्ट्स पूरे करने के लिए शॉर्टकट ना अपनाएं। वे दावा करते हैं कि कॉर्पोरेट दौड़ से निकलने का सबसे अच्छा तरीका है कि तकनीक व सोशल मीडिया से ब्रेक लिया जाए। आत्मनिरीक्षण के लिए एकांत समय का उपयोग करें। न्यूपोर्ट कार्य पूरा करने के लिए गैर-तकनीकी व्यक्ति की धारणा पर जोर देते हैं, जिसमें कार्य उत्पादक हो और कुशलतापूर्वक किया जाए। इसका अर्थ है कि आज के पेशेवरों को हर समय खुद को व्यस्त दिखाने के बजाय सफलता के लिए अपनी प्राथमिकताओं को व्यवस्थित करना चाहिए। फिर से गिल के उदाहरण को देखें तो महज 26 की उम्र में वे 16 शीर्ष ब्रांडों से जुड़े हैं। गिल जानते हैं ये ब्रांड उनके साथ तभी रहेंगे, जब वे लगातार जीत हासिल करेंगे- एक फोकस्ड सक्सेस, जो क्रिकेट प्रेमियों और बीसीसीआई चयनकर्ताओं को खुश रखने के लिए जरूरी है। वे जानते हैं कि सिर्फ अच्छा खेलना ही उनके करियर और नेतृत्व को आगे नहीं बढ़ाएगा।, उन्हें डीप फोकस की जरूरत है, जो जीत के साथ प्रभाव पैदा कर सके। हम न शिक्षक हैं और ना क्रिकेटर। हम इस हाइपर कनेक्टेड दुनिया में सिर्फ कर्मचारी हैं, जहां हर तरफ भटकाव हैं। अंतहीन ईमेल, एक के बाद एक बैठकें और लगातार नोटिफिकेशन्स। अपना दैनिक समय तय करें, शायद आधा दिन- जिसमें परिणाम देने वाला फोकस्ड कार्य करें। आपको खुद से कहना चाहिए कि 'अगर मैं आज शाम तक इसे हासिल कर लूं, तो मैं खुद को सफल मानूंगा।' ऐसी सोच वाकई में दुष्कर होती है, क्योंकि इसमें अनुशासन चाहिए। लेकिन आपको विचलित होने के बजाय रास्ते पर बनाए रखती है। फंडा यह है कि व्यस्तता और उत्पादकता समान नहीं है। सफलता उत्पादकता से ही मिलती है, व्यस्तता से नहीं। व्यस्तता महज दिखाएगी कि आप व्यस्त हैं, लेकिन प्रोडक्टिव नहीं हैं। एन. रघुरामन

# जलवायु परिवर्तन यहीं और अभी है, देर होने से पहले जागें

वर्ष 2004 में अपनी पीएचडी के बाद मैंने एक युवा प्रोफेसर के रूप में पढ़ाने और इनोवेशन के लिए

उत्सुक व्यक्ति के रूप में आईआईटी बॉम्बे में प्रवेश किया था। लेकिन दो दशक से भी ज्यादा समय के बाद मैंने इस्तीफा देने का फैसला किया। इसलिए नहीं कि संस्थान में किसी चीज की कमी थी, बल्कि इसलिए कि हमारे पास समय की कमी है। पिछले पांच सालों से बिना वेतन की छुट्टी पर मैं ऊर्जा स्वराज यात्रा पर एक सौर ऊर्जा से चलने वाली बस में रहा हूं, देश भर में यात्रा कर रहा हूं और छात्रों, नागरिकों और नेताओं से जलवायु संकट पर बात कर रहा हूं। इस यात्रा ने मुझे बदल दिया! दिन-ब-दिन मैं उन बच्चों से मिला जिनका भविष्य खतरे में है, बढ़ती गर्मी से जूझ रहे परिवार, किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं, और शहर बाढ़ और गर्मी से जूझ रहे हैं। मुझे इस बात का एहसास हुआ कि जलवायु संकट हमारी कल्पना से कहीं तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2024 मनुष्य जीवन के इतिहास का सबसे गर्म वर्ष रहा। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि 20 से 25 वर्षों के भीतर, हम 2ष्ट के ग्लोबल वार्मिंग के लेवल को पार कर सकते हैं। यह एक ऐसी सीमा है, जिसके आगे जलवायु सुधार की दिशा में कोई भी कदम कारगर नहीं होगा। उस समय तक हम जलवायु परिवर्तन की लक्ष्मण रेखा को पार कर जाएंगे, जिसके बाद फिर से लौटना संभव नहीं होगा। इसके बाद सिर्फ कष्ट ही होगा। और फिर भी, दुनिया ऐसे चल रही है मानो कुछ हो ही नहीं रहा हो। माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर बेचैन नहीं हैं। प्रोफेसर अपने छात्रों को लेकर बेचैन नहीं हैं। राजनेता अपने नागरिकों के प्रति बेचैन नहीं हैं। जब घर में आग लगी है, तो हम क्यों सो रहे हैं?तो हम इस संकट का समाधान कैसे करें? दशकों से नीतियां घोषित की जा रही हैं, फिर भी कार्बन उत्सर्जन- जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण- बढ़ता जा रहा है। तकनीकें उन्नत हुई हैं, फिर भी समस्या तेजी से बढ़ रही है। हमारे जलवायु सुधार के प्रयास विफल हो रहे हैं। क्यों? क्योंकि हम एक सरल से सत्य को भूल गए हैं। वो यह कि हमारी इस धरती पर विज्ञान विकसित हो सकता है, टेक्नोलॉजी विकसित हो सकती है, अर्थव्यवस्थाएं प्रगति कर सकती हैं- लेकिन हम सब मिलकर, धरती को खींच-तान के बड़ा नहीं कर सकते। धरती के सारे संसाधन सीमित हैं। हम जो कुछ भी उपयोग करते हैं वह पृथ्वी से ही आता है। और चूंकि धरती सीमित है, सारे संसाधन सीमित हैं तो अलमारी में कपड़े, गाड़ियों का साइज और बिल्डिंगों की संख्या लगातार कैसे बढ़ रही है? जैसे वेतन निश्चित होने पर खर्च भी निश्चित होने चाहिए, उसी तरह जब पृथ्वी सीमित है, तो हमारी खपत भी सीमित होनी चाहिए। पर हम रोज धरती की सीमितता को नजरअंदाज करते हैं। फिर सवाल उठता है : उपभोक्ता कौन है? आप और मैं ही तो हैं, बल्कि इस धरती पर रहने वाले सभी 8 अरब लोग हैं। हमारे दैनिक उपभोग के प्रत्येक कार्य से कार्बन उत्सर्जन होता है। प्रत्येक भोजन, प्रत्येक खरीदारी, प्रत्येक गैजेट ग्रीनहाउस गैसों के रूप में अदृश्य कचरा पीछे छोड़ता है। प्रत्येक व्यक्ति ग्लोबल वार्मिंग में योगदान देता है, और इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को समाधान का हिस्सा होना चाहिए। हां कि नहीं? हम सभी को धरती की सीमितता को ध्यान में रखते हुए अपनी जरूरतों को सीमित करना चाहिए या नहीं। जब मैंने देखा कि हर कोई जलवायु परिवर्तन की समस्या को बढ़ा रहा है, तो मेरे सामने विकल्प स्पष्ट हो गया। क्या मुझे वेतन की सुरक्षा में ही रहना चाहिए? या जोखिम उठाना चाहिए और लोगों तक धरती की सीमितता का संदेश पहुंचाने की यात्रा में समर्पित हो जाना चाहिए? कई लोग मुझसे पूछते हैं कि आपको नौकरी छोड़ने का कठोर निर्णय लेने की प्रेरणा कैसे मिली? मेरा उत्तर सरल है : जब आपके पीछे एक बाघ होता है, तो आपको दौड़ने के लिए प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती। मैं अपने पीछे बाघ को देख सकता हूं- जो हम सभी के पीछे है। आप उसे देख नहीं पा रहे हैं। आशा करता हूं कि आप भी जल्द से जल्द अपने पीछे खड़ी इस विकराल समस्या को देखें। (ये लेखक के अपने विचार हैं.प्रो. चेतन सिंह सोलंकी)

# जब मशीनें हमें हराने की कोशिश करने लगें, तब क्या करें?

एक टीवी शो में सपना नाम से एक ब्यूटी पार्लर है, उसमें सपना का किरदार निभाते हुए काल्पनिक मसाज करने वाले कैरेक्टर के हिसाब से पटकथा लिखने वाले लेखक को निकट भविष्य में थोड़ी दुविधा हो सकती है। क्योंकि लेखक के लिए आसान था कि वह हर शो में कई बार एक ही लाइन को दोहराते। महिलाओं के कपड़े पहने उस पुरुष एक्टर को याद करें, जो कहता रहता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं, और फिर तेल लगाते हैं।' उसके कम से कम 50फीसदी पुराने डायलॉग अब बदलने पड़ेंगे। अब वह अपने कथन की शुरुआत कर सकता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं,' और फिर संभवतः वह कहेगा कि 'फिर उसे पार्लर के कपड़े पहनाते हैं...।' क्या आप भौंहें तानकर मुझसे पूछ रहे हैं कि कोई कपड़ों के ऊपर से तेल कैसे लगा सकता है? तो भविष्य के स्पा में आपका स्वागत है। भविष्य के पांच सितारा स्पा कोई तेल नहीं लगाएंगे। जी, हां। भविष्य के स्पा में आपके बाल चिपचिपे नहीं होंगे। आपको तेल और लोशन को धोकर साफ नहीं करना पड़ेगा। आपको किसी को कोई टिप भी नहीं देना पड़ेगा। क्योंकि यह 'एस्केप' द्वारा संचालित मसाज है। यह नए दौर की एक मसाज टेबल है, जो एआई आधारित मशीनों से संचालित होती है। फोर सीजन्स, डब्ल्यू होटल्स, रिट्ज कार्लटन जैसी बड़ी होटल श्रृंखलाएं इसे पहले ही शुरू कर चुकी हैं और इसी हफ्ते मैंने सुना कि भारत के कुछ होटल भी 'एस्केप' खरीदने के लिए मोलभाव कर रहे हैं। आप ताज्जुब कर रहे हैं कि क्या ये डीप फेक है? कैसे ये रोबोट पेशेवर स्पा मसाज थेरेपिस्ट को मात देंगे या इस बात पर चिंतित हैं कि मानवीय हाथों का स्थान मशीनी हाथ ले रहे हैं, तो मुझे यह स्पष्ट करने दें। हाईटेक रिक्लाइनर कुर्सियों की उन सभी तस्वीरों को भूल जाइए, जो आपने मॉल्स या एयरपोर्ट के लाउन्ज में देखी हैं। यह सपना के पार्लर की भांति ही एक औपचारिक उपचार है और यहां पर भी एक पारंपरिक किन्तु अत्याधुनिक टेबल होगी। सिर्फ सपना यानी कोई थेरेपिस्ट नहीं होगा, लेकिन विशाल सफेद बांहें होंगी, जिसके मोटे पंजे आपकी पीठ दबाने को लिए तैयार होंगे। ये कैसे काम करता है? ग्राहक को मसाज शुरू कराने के लिए इस बड़ी मसाज टेबल पर उल्टे मुंह लेटना होता है, जहां वह पारंपरिक फेस पिलो के भीतर से आईपैड को देखता है। ये मशीन आपको नाम से पुकारेगी और बताएगी कि कितनी मिनटों के लिए आपने सुविधा बुक की है। जैसे ही आपने बटन दबाया, यह आपसे दबाव समायोजित करने के बारे में पूछेगी और संगीत शुरू कर देगी। यदि आप असमंजस में है तो जैसे सपना हर सप्ताह नई-नई मसाज के बारे में बताती है, ये भी आपको सुझाव देगी। जैसे यदि आप 'एस्केप' मसाज का सबसे अच्छा संचालित मसाजों में प्रमुख अंतर ये है कि इस मसाज में ग्राहक को पूरे समय उल्टा मुंह लेटना होता है। अंत में यह आपसे उसके प्रदर्शन की रेटिंग देने और अपना सामान लेने के लिए कहती है, ताकि दूसरे ग्राहक के लिए जगह खाली हो। आपको यह कैसा लगा? यूजर्स बताते हैं कि यह किंक्स (शरीर के घुमाव और झुकाव वाली जगह), हैमस्ट्रिंग्स और दर्द वाली जगहों के लिए बहुत बेहतर है। लेकिन उन सुगंधित क्रीम के बिना यह मसाज शरीर की सभी इंद्रियों को संतुष्ट नहीं करती है। जब यूजर्स कहते हैं कि यह पैरों की मसाज के लिए सही नहीं है, तो मेरा चेहरा लटक जाता है, क्योंकि यही मसाज मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। और जब मैंने सुना कि ये रोबोट आईटी पेशेवरों को सबसे अच्छी लगने वाली गर्दन और सिर की मसाज नहीं कर सकते, तो मेरी इच्छा हुई कि इस मशीन को 5 में से 1 अंक की रेटिंग दूं। फंडा यह है कि यह एक ऐसा युग है, जिसमें मशीनें मानवों पर हावी होने की कोशिश करेंगी। लेकिन यही ऐसा समय भी है, जब वह सर्वाधिक विफल भी होंगी। इसलिए उनकी कमजोरियों को याद कर लीजिए और खुद को उत्कृष्ट बना लीजिए, ताकि भविष्य में मशीनों को हराया जा सके।

# बारिश अब किसी एक ही मौसम तक सीमित क्यों नहीं रह गई है?

अक्टूबर की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन बारिश का दौर अभी भी जारी है। दो घटनाएं प्रमुख रूप से सामने आई हैं। नेपाल में लगातार हो रही वर्षा ने बिहार की स्थिति एक बार फिर गंभीर कर दी है। कोसी नदी इस कदर उफान पर है

कि कई गांवों को लील जाने को तत्पर दिखाई देती है। अक्टूबर का महीना सामान्यतः शांत रहता है। मानसून प्रायः सितम्बर के मध्य या अंत तक अपनी अंतिम वर्षा देकर विदा ले लेता है। किंतु इस बार ऐसा नहीं हुआ। उत्तराखंड में भी इस बार अक्टूबर को लेकर यही अनुमान लगाया जा रहा है कि वर्षा का दौर अभी थमेगा नहीं। वहीं दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश सहित देश के कई अन्य राज्यों की स्थिति भी ऐसी ही है। इस बार के मानसून में अगर सबसे पहले किसी क्षेत्र ने प्रतिकूल प्रभाव झेला, तो वह उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल रहा है। भारी तबाही, जान-माल की क्षति और विनाशकारी घटनाओं की खबरें लगातार आती रहीं। पहले लोग आसमान की ओर इस उम्मीद से देखा करते थे कि मानसून आएगा, खेत लहलहाएंगे, धरती पर हरियाली छा जाएगी और मिट्टी की सौंधी खुशबू नए मौसम के आगमन का संकेत देगी। लेकिन आज स्थिति उलट है- अब लोग आसमान की ओर इस चिंता से देखते हैं कि बरसात कब थमेगी और कब बादल अपने प्रवाह को रोकेंगे। मगर ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा। इस वर्ष का मानसून पहाड़ों से लेकर देश के अन्य कोनों तक अपने प्रभाव की नई कहानी दर्ज कर रहा है। अक्टूबर में वर्षा होने का अर्थ स्पष्ट है- समुद्र अभी शांत नहीं हुए हैं। सभी जानते हैं कि समुद्र अपनी वाष्पोत्सर्जित हवाओं को भेजकर ही पहाड़ों को तर करते हैं, और वही पानी नदियों के रूप में हम सबके बीच बहता है। पहले यह प्रक्रिया अप्रैल से लेकर जुलाई-अगस्त तक सीमित रहती थी, परंतु अब यह क्रम लम्बा खिंच गया है। आज स्थिति यह है कि यह समस्या केवल हमारे देश तक सीमित नहीं रही, बल्कि पूरी दुनिया में भारी वर्षा और अतिवृष्टि जैसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। धरती के तापमान पर अभी तक कोई नियंत्रण नहीं हो पाया है। औसतन बढ़ते तापमान के कारण समुद्रों में निरंतर हलचल बनी हुई है, और इसी कारण वर्षा का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। एक ओर पहाड़ अतिवृष्टि से आहत हैं, तो दूसरी ओर समुद्र चक्रवातों के नए रूप में लोगों को प्रभावित कर रहे हैं। हाल ही में रागो जैसे चक्रवातों ने फिलीपींस, चीन, मलेशिया और अन्य देशों को भी प्रभावित किया। वहीं दूसरी तरफ, पहाड़ों में हो रही आपदाएं देशभर में सुर्खियां बटोर रही हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अक्टूबर भी ऐसे ही संकेत दे रहा है, मानो मौसम और वर्षा ने यह ठान लिया हो कि उन्हें बरसना ही है- प्रकृति के प्रति मनुष्य के व्यवहार को सबक सिखाना ही है। अब तक हम इस बात को पूरी तरह समझ नहीं पाए हैं और न ही समझने का प्रयास कर रहे हैं कि इन घटनाओं के पीछे वास्तविक कारण क्या हैं। सच्चाई यह है कि हर व्यक्ति, हर राज्य और हर देश कहीं न कहीं इस स्थिति के लिए दोषी है। हमने विकास के साथ-साथ विलासिता को इतना बढ़ा लिया कि धरती के संसाधनों का अत्यधिक दोहन होने लगा। विकास की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। परंतु समस्या यह है कि हमने विकास की सीमाओं को लांघते हुए विलासिता को ही जीवन का पर्याय बना लिया। गांव और शहर दोनों स्तरों पर हमने अपने जीवन को सुविधाजनक बनाने के नाम पर धरती को गर्म करने में बड़ा योगदान दिया है। यदि हम अपने फुटप्रिंट पर नजर डालें और उसकी तुलना चार दशक पहले से करें, तो साफ दिखेगा कि हमारी उपभोग की आदतें कई गुना बढ़ चुकी हैं। शहरों की स्थिति तो गंभीर है- वे आज इस हद तक आरामदेह जीवन के गुलाम हो चुके हैं कि उनके लिए जीवन का अर्थ केवल कारों, गैजेट्स और सुविधाओं तक सीमित हो गया है। इस तरह की विलासिता प्रकृति के पूर्णतः विपरीत है। अगर यह बारिश अक्टूबर के बाद भी जारी रही, तो भी आश्चर्य नहीं होगा, क्योंकि हमने पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ा दिया है कि समुद्रों को सांस लेने का अवसर तक नहीं मिल पा रहा। (ये लेखक के निजी विचार हैं) डॉ. अनिल जोशी

# चीन से 4.5 जनरेशन का जे-10सीई फाइटर जेट खरीदेगा बांग्लादेश:18.5 हजार करोड़ रुपए में लेगा 20 विमान; 10 साल में किस्तों में चुकाएगा कीमत

बीजिंग। ढाका की मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश सरकार चीन से 20 जे-10सीई फाइटर जेट खरीदने की योजना

बना रही है। इस सौदे की कीमत करीब 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग रु18,500 करोड़) बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह समझौता प्रशिक्षण, रखरखाव और अन्य तकनीकी सेवाओं को भी शामिल करेगा। भुगतान 10 वित्तीय वर्षों में, यानी 2036 तक किस्तों में किया जाएगा। हालांकि, सरकार की ओर से इस सौदे पर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। वित्तीय सलाहकार सालेहुद्दीन अहमद ने पत्रकारों के सवाल पर कहा, 'मैं इस विषय पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। सिर्फ इसलिए कि मुझे कुछ पता है, इसका मतलब यह नहीं कि मैं सब कुछ बता दूं।' सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश सरकार ने अक्टूबर 2025 में चीन के जे-10सीई मल्टीरोल फाइटर जेट की खरीद को मंजूरी दे दी है। 20 विमानों की डिलीवरी 2027 तक की जाएगी, जिसकी कुल लागत 2.2 अरब डॉलर (करीब 18,500 करोड़) होगी, जिसमें प्रशिक्षण और स्पेयर पार्ट्स शामिल हैं। भुगतान 10 वर्षों में किया जाएगा। जे-10सीई विमान 4.5 पीढ़ी की तकनीक, एईएसए रडार, पीएल-15ई मिसाइल और उन्नत डेटा लिंक से लैस होंगे। इसके साथ बांग्लादेश चीन और पाकिस्तान के बाद तीसरा देश बन जाएगा, जिसके पास यह मॉडर्न पीढ़ी के फाइटर जेट होंगे। एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान ने बताया कि सरकार ने मल्टीरोल जेट, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और लंबी दूरी के रडार खरीदने को मंजूरी दे दी है, पर चीन का नाम स्पष्ट नहीं किया। बांग्लादेश वायु क्षमता में तेजी से वृद्धि कर रहा है और फोर्स गोल-2030 के तहत एक आधुनिक वायुसेना बेड़ा तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। इस पहल की शुरुआत 2009 में हुई थी, पर 2017 के बाद उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिली। जे-10सीई चीन के वायुसेना में पहले से ही शामिल है। रक्षा विशेषज्ञ मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) एएनएम मुनीरुज्जमान ने मीडिया से कहा कि बांग्लादेश वायुसेना लंबे समय से नए लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, 'आज की दुनिया में नए-नए रिश्ते बन रहे हैं, इसलिए किसी देश से विमान खरीदने से पहले उसके प्रभावों का विश्लेषण जरूरी है।' वर्तमान में बांग्लादेश वायुसेना के पास 212 विमान हैं, जिनमें से 44 लड़ाकू विमान हैं। इनमें 36 चीनी एफ-7 जेट, 8 रूसी मिग-29बी, और कुछ यक-130 हल्के लड़ाकू विमान शामिल हैं। यह सौदा अगर तय हो जाता है, तो बांग्लादेश वायुसेना की युद्धक क्षमता में बड़ी बढ़ोतरी होगी। मई और अक्टूबर 2025 में वायुसेना प्रमुख हसन महमूद खान की इटली और तुर्किये यात्राओं ने बांग्लादेश के रक्षा सहयोग के नए रास्ते खोले हैं। इटली में उन्होंने लियोनार्डो के संयंत्रों का दौरा किया, जहां से उन्नत रडार, ट्रैकिंग सिस्टम और हेलिकॉप्टर तकनीक की खरीद पर चर्चा हुई। वहीं, तुर्किये में 1 से 6 अक्टूबर तक उन्होंने तुर्किश एयरस्पेस इंडस्ट्री सहित कई रक्षा कंपनियों से वार्ता की। तुर्किये के साथ ड्रोन तकनीक, एंटी-मिसाइल सिस्टम और निगरानी उपकरणों के संभावित सौदे पर भी विचार हुआ है। आंतरिक सूत्रों के अनुसार, चीन अभी भी लड़ाकू विमानों के लिए प्रमुख आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। मई में पाकिस्तान ने संघर्ष के दौरान भारत के खिलाफ जिन फाइटर जेट्स का इस्तेमाल किया था उसमें जे-10सी फाइटर जेट भी शामिल था। भारत के स्वदेशी हथियारों (जैसे ब्रह्मोस और आकाशतीर) ने इन्हें नाकाम कर दिया था। इसके अलावा, चीन का पीएल-15 और एचक्यु-9पि मिसाइल, जेएफ-17 फाइटर जेट को भी नाकाम किया था। 9 मई को पंजाब के होशियारपुर जिले में एक खेत से पीएल-15ई मिसाइल के टुकड़े भी बरामद किए गए थे। यह मिसाइल चीन में बनी थी। इसके बाद 12 मई को वायु सेना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहली बार इसका मलबा दिखाया था। पाकिस्तान ने जेएफ -17 लड़ाकू विमान से चीन में बनी पीएल -15ई मिसाइल दागी थी, लेकिन उसे हवा में ही नाकाम कर दिया गया, जिससे वह अपने निशाने तक नहीं पहुंच सकी। रिपोर्ट्स के मुताबिक पहली बार किसी संघर्ष में पीएल -1ई मिसाइल का इस्तेमाल हुआ है।

# पाक रक्षामंत्री बोले-हमारे मिलिट्री एक्शन से मोदी की लोकप्रियता घटी,बिहार में चुनाव के कारण भारत भड़काऊ कार्रवाई कर रहा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि बिहार चुनाव की वजह से भारत

भड़काऊ कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने यह बयान पाकिस्तानी न्यूज चैनल समा टीवी पर बुधवार को दिया। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि मई में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाई से मोदी की लोकप्रियता घटी है। मोदी के समर्थक भी अब उनकी आलोचना कर रहे हैं। आसिफ ने संघर्ष के दौरान 6 भारतीय फाइटर जेट मार गिराने का दावा किया। आसिफ ने दावा किया कि पहले जो देश भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान न्यूट्रल रहते थे, वे अब हमारे खेमे में शामिल हो गए हैं और जो भारत का समर्थन कर रहे थे, वे अब चुप हैं। यह बात भारत को सालों तक परेशान करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सिर्फ औरंगजेब के समय ही एकजुट था। इतिहास बताता है कि औरंगजेब की हुकूमत के अलावा भारत कभी पूरी तरह एकजुट नहीं रहा। पाकिस्तान अल्लाह के नाम पर बना है। हम घर में आपस में लड़ते हैं, लेकिन भारत से लड़ाई होने पर एक हो जाते हैं। ख्वाजा आसिफ ने तीन दिन पहले भारत को धमकी देते हुए कहा था कि अब की बार जंग हुई तो भारत अपने लड़ाकू विमानों के मलबे के नीचे दब जाएगा। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भारतीय लीडरशिप अपनी खोई हुई विश्वसनीयता पाने के लिए भड़काऊ बयान दे रही है। आसिफ ने आरोप लगाया कि नई दिल्ली जानबूझकर तनाव बढ़ा रही है ताकि नागरिकों का ध्यान घरेलू चुनौतियों से भटकाया जा सके। पाकिस्तान की तरफ से बीते कुछ दिनों से लगातार भड़काऊ बयानबाजी की जा रही है। दो दिन पहले पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता जनरल अहमद चौधरी ने कहा था कि भारत के खिलाफ संघर्ष में चीनी हथियारों ने मई में बेहतरीन काम किया था। उन्होंने कहा था कि हम हर तरह की तकनीक के लिए खुले हैं। चीनी तकनीक ने बहुत अच्छा काम किया। पाकिस्तान ने 7 भारतीय फाइटर जेट मार गिराए थे, जबकि भारत ने एक भी पाकिस्तानी विमान नहीं गिराया।

# पाकिस्तान का नाबालिग प्रेमी जोड़ा सीमा पार कर गुजरात पहुंचा,इस्लामकोट से 4 दिन पहले भागे थे

कच्छ। गुजरात के कच्छ में एक पाकिस्तानी प्रेमी जोड़े को अवैध रूप से सीमा पार कर भारत में घुसते

हुए पकड़ा गया है। यह नाबालिग जोड़ा भारतीय सीमा में 40 किलोमीटर अंदर तक आ पहुंचा था। इसी दौरान बुधवार की शाम गांववालों की इन पर नजर पड़ गई। गांववालों ने इन्हें पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। दोनों नाबालिग प्रेमी ने पूछताछ में बताया है कि पाकिस्तान के दोनों ने कबूल किया किया कि वे पाकिस्तान में इस्लामकोट के लासरी गांव के रहने वाले हैं। वे शादी करना चाहते थे, लेकिन घरवालों को उनका रिश्ता मंजूर नहीं था। इसीलिए भागकर भारत आ गए। कच्छ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, दोनों के पास से उनकी पहचान का कोई डॉक्यूमेंट्स नहीं मिला है। लेकिन दोनों ने पूछताछ में बताया कि वे इस्लामकोट के लासरी गांव के रहने वाले हैं। वे मंगलवार की रात गांव से भागे थे। इसके बाद रेगिस्तान पार करते हुए 60 किलोमीटर दूर भारत की सीमा में दाखिल हुए। दोनों गुजरात के रतनपार गांव की सीमा पर संगवारी मंदिर के पास पहुंचे तो गांववालों ने इन्हें देखा। गांव के आसपास इन्हें पहले कभी नहीं देखा गया था, जिससे गांववालों को इन पर शक हुआ। उन्होंने खादिर पुलिस थाने को सूचना दी। दोनों को हिरासत में लेकर सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी दी गई। खादिर थाने के हेड कांस्टेबल अजय सिंह झाला ने बताया कि दोनों ने अपनी पहचान मीर समुदाय का होना बताया है। लड़के की 16 और लड़की की उम्र 15 साल है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे चार दिन पहले रात के करीब 12 बजे घर से भागे थे। रास्ते के लिए उन्होंने थोड़ा खाना और दो-तीन लीटर पानी भी साथ रख लिया था। करीब 30 किमी की सफर तय करने के बाद वे एक टापू पर रुके। यहां उन्होंने बारिश का पानी इकट्ठा किया और इसके बाद रेगिस्तान पार किया। सीमा पार का यह पहला मामला नहीं है। इसी साल मार्च महीने में एक 18 वर्षीय पाकिस्तानी युवक को कच्छ के खावडा से पकड़ा गया था। युवक ने बताया कि वह पारिवारिक विवाद के चलते गुस्से में घर से भाग आया था। जांच के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने उसे पाकिस्तान भिजवा दिया था। पिछले साल 25 सितंबर को को जम्मू-कश्मीर के एक युवक को कच्छ की सीमा में खावड़ा के पास से बीएसएफ ने पकड़ा था। युवक पाकिस्तान के पंजाब में रहने वाली प्रेमिका से मिलने जा रहा था। पूछताछ के बाद युवक को रिहा कर दिया गया था।इससे पहले 16 जुलाई, 2020 को महाराष्ट्र के एक युवक को अपनी पाकिस्तानी प्रेमिका से मिलने जाते समय कच्छ सीमा से बीएसएफ ने पकड़ा था। दोनों की पहचान सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। युवक बॉर्डर क्रॉस कर पाकिस्तान के कराची पहुंचना चाहता था। जांच के बाद भी इस युवक को भी छोड़ दिया गया था।

## अतीत का झरोखा

# जब एक बच्चे के अपहरण पर रो पड़े अटल बिहारी,बच्चों ने टिफिन खाना छोड़ दिया, पलट गई राबड़ी सरकार

पटना। 19 जनवरी 2005, सुबह के करीब 6:15 बजे थे। पटना के शांत कहे जाने वाले पटेल नगर इलाके में हल्की धुंध थी और बच्चे रोज की तरह स्कूल जाने की तैयारी में थे। गलियों में दूध वालों की आवाजें, साइकिलों की घंटियां और बच्चों के स्कूल बैग

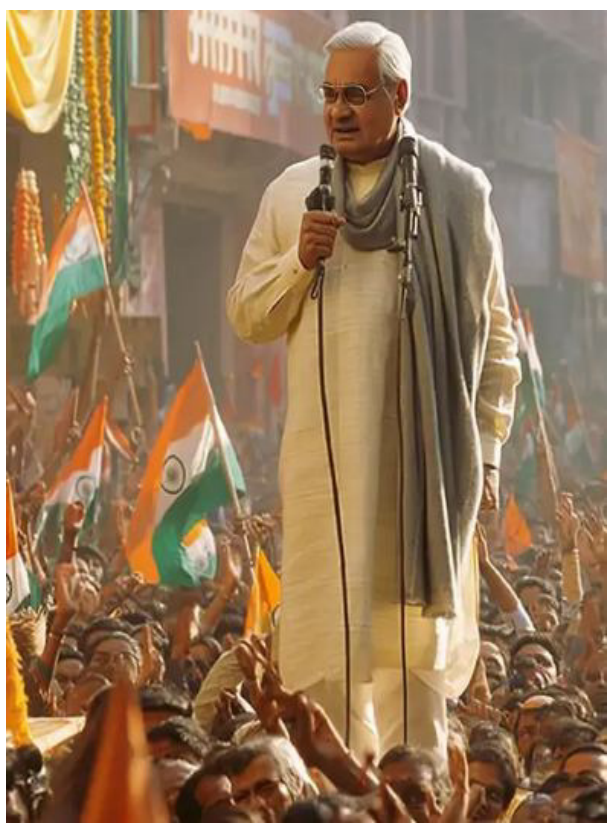

की झनक- सब कुछ रोज की तरह था। डीपीएस पटना का 9वीं का छात्र किसलय गुप्ता, कपड़े पहनकर तैयार हुआ। बैग कंधे पर डालते हुए उसने मां से कहा, 'निकलता हूं मम्मी, बस छूट जाएगी।' मां ने जल्दी से टिफिन पकड़ाया- 'धीरे जाना, सड़क पार करते वक्त ध्यान रखना।' किसलय मुस्कुराया, 'हां मम्मी,' और वो घर से निकल गया। गलियों में हल्की रोशनी, आसमान पर धुंध की सफेद परत। बस स्टॉप की तरफ जाते कुछ और बच्चे भी थे- कोई ठंड से कांपते हुए हाथ रगड़ रहा था, कोई कॉपी बैग से निकालकर अपने होमवर्क देख रहा था। किसलय ने उन्हें देखकर हाथ हिलाया और तेज कदमों से आगे बढ़ गया। जैसे ही वह बस स्टॉप के करीब पहुंचा, पीछे से एक टाटा सूमो आती दिखी- काली खिड़कियों वाली, बिना नंबर प्लेट की। गाड़ी धीरे-धीरे किसलय के पास आकर रुकी। अगले ही पल, दरवाजा खुला और दो आदमी बाहर कूदे। किसलय चौंका- 'कौन हैं आप?' जवाब में सिर्फ एक झटके की आवाज आई- 'चलो, गाड़ी में बैठो!' किसलय ने भागने की कोशिश की, पर एक ने उसका हाथ मरोड़ दिया, दूसरे ने मुंह पर कपड़ा रख दिया। वह जोर से चिल्लाया- 'छोड़ो मुझे! कहां ले जा रहे हो?' लेकिन वे उसे गाड़ी में डाल वहां से निकल लिए। पास खड़े बच्चे घबरा गए। कोई चीखा- 'देखो किसलय को उठा लिया!' कुछ बच्चों के बैग सड़क पर गिर गए, कोई कांपते हुए रोने लगा। सड़क पर कुछ पल के लिए सिर्फ एक आवाज गूंज रही थी- 'किसलय को ले गए‌ष्ठ किसलय को किडनैप कर लिया!' हिंदुस्तान टाइम्स ने लिखा- 'कुछ ही देर में पटना के इस शांत मोहल्ले में कोहराम मच गया।' सुबह के 7 बजते-बजते पटेल नगर की गली में अफरा-तफरी मच गई। किसी ने स्कूल को फोन किया, किसी ने पुलिस स्टेशन को, लेकिन हर तरफ एक ही जवाब मिला- 'अभी देख रहे हैं, टीम भेज रहे हैं।' किसी पड़ोसी ने दौड़कर किसलय की मां को बताया, 'दीदी, सूमो में दो लोग आए थेष्ठ बच्चे चिल्ला रहे थेष्ठ किसलय को ले गए‌ष्ठ' यह सुनते ही वो सन्न रह गईं। एक ही बात दोहराते हुए- 'मेरा किसलय‌ष्ठ कहां ले गए मेरे किसलय कोष्ठ' कहते हुए मां सड़क की ओर दौड़ पड़ीं। सूचना के बाद वहां पुलिस आई। बच्चे रोते हुए बता रहे थे- 'सफेद सूमो थीष्ठ दो लोग थेष्ठ उन्होंने किसलय के मुंह पर कपड़ा रख दिया‌ष्ठ' पुलिस उसके बाद तुरंत तलाश में जुट गई, लेकिन दोपहर तक कोई खबर नहीं मिली। अब तक एक घंटे बीत चुके थे। किसलय के पिता केके गुप्ता उस समय बिहार सरकार में वाणिज्य कर विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर थे। उन्हें जैसे ही पता चला, वो तुरंत अपनी गाड़ी से पुलिस स्टेशन पहुंचे। काफी घबराए हुए। थाने के काउंटर पर खड़े होते ही उन्होंने कहा- 'मेरा बेटा किसलय गायब हो गया है, एफआईआर दर्ज कीजिए। दो लोग उसे अपनी कार में डालकर ले गए हैं। वे बिना नंबर प्लेट की गाड़ी से आए थे।' पुलिस वाले भी हड़बड़ा गए। एक सिपाही आस-पास के अफसरों को फोन घुमाने लगा। अब तक एसएसपी एनएच खान तक खबर पहुंच चुकी थी। खान उसी वक्त अपनी यूनिफॉर्म में थाने पहुंचे। उन्होंने सीधे कहा, 'ये कोई साधारण मामला नहीं -बच्चे को सुरक्षित हालत में वापस लाना है। कोना-कोना छान मारिए।' खान ने तुरंत अपने सबसे भरोसेमंद इंस्पेक्टरों को इकट्ठा किया। आदेश दिया- 'कॉल-ट्रेसिंग तुरंत शुरू करो; उस इलाके के मोबाइल टावर के रिकॉर्ड निकालो; जीपीएस-डेटा और आस-पास के सीसीटीवी फुटेज इकट्ठा करके देखो। साथ ही शहर के सभी प्रवेश-निकास पर नाकाबंदी कराओ, ताकि आरोपी शहर से बाहर न जा सकें।' इंस्पेक्टरों ने अपनी अलग-अलग टीमें बनाईं, दल के कुछ लोग कॉल-ट्रेस यूनिट और कुछ तकनीकी शाखा के साथ लगे, कुछ ने पटेल नगर और आस-पास के मोहल्लों में हाउस-टु-हाउस तलाशी की जिम्मेदारी ली और कुछ लोग शहर के बस अड्डों, रेलवे स्टेशन व बड़े चौराहों पर तैनात हुए। हर टीम के साथ एक सीनियर अफसर था- किसी भी हल्की जानकारी पर फौरन रिपोर्ट करने का आदेश था। थाने के भीतर किसलय के पिता बार-बार घटना का बयान दोहरा रहे थे- किस समय वह घर से निकला, किस रूट से गया, किन लोगों से मिला और किस तरह की गाड़ी थी। इस बीच पुलिस टीम को गुप्त मुखबिरों से सूचना मिली कि इस पूरे कांड का मास्टरमाइंड जेल में ही है। चुन्नू ठाकुर- कुख्यात अपराधी, जो जेल से अपनी गैंग चला रहा है। इस घटना को उसके गुर्गे विक्की ठाकुर उर्फ पप्पू ठाकुर ने अंजाम दिया है।' उसके बाद पुलिस टीम के लोगों ने तुरंत एसएसपी एनएच खान को इसकी जानकारी दी। खान ने कहा- 'अब सबसे पहले अपराधियों की कॉल ट्रेस करो और उनकी घेरेबंदी की तैयारी करो'। रात गहरी हो गई थी और पटना की गलियां सूनी-सी लग रही थीं, लेकिन पुलिस की टीमें हर मोड़ पर सक्रिय थीं। एसएसपी एनएच खान ने अपने अफसरों से कहा, 'विक्की ठाकुर का ठिकाना ट्रैक करने में कोई कसर नहीं छोड़नी है। बच्चे की जान पर कोई खतरा नहीं होना चाहिए।' टीम ने आस-पास के मुखबिरों और स्थानीय दुकानदारों से पूछताछ शुरू की। हर छोटी-छोटी सूचना को नाकेबंदी और ट्रेसिंग के लिए तुरंत नोट किया गया। 27 जनवरी 2005 को बिहार के भागलपुर में अटल बिहारी वाजपेयी की रैली हुई। उन्होंने मंच से सवाल दागा- 'कहां है मेरा किसलय? उन्होंने रुआंसे

मन से कहा- 'मुझे मेरा किसलय लौटा दो।' अटल की इमोशनल अपील ने उस समय की आरजेडी सरकार की साख पर गहरा वार किया और पूरे राज्य की राजनीति हिला दी।

पूर्व पीएम का यह सवाल जनता के गुस्से को बाहर लाया। उसके बाद लोग सड़कों पर उतरने लगे। उस समय देशभर के अखबारों में किसलय के अपहरण की खबर छपी। यह मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर छा गया। अटल के उस बयान ने बिहार चुनाव 2005 में सत्ता परिवर्तन की दिशा तय कर दी। डीपीएस समेत राज्यभर के स्कूलों के बच्चों ने स्कूलों में टिफिन ले जाना बंद कर दिया। पहली बार स्कूली छात्र सड़क पर नजर आए। इस दौरान वे सड़कों पर पोस्टर-बैनर के साथ निकले। जिस पर नारे लिखे थे- 'ब्रिंग बैक किसलय' यानी किसलय को वापस लाओ, 'हम डरते नहीं'। 'जब तक किसलय वापस नहीं आता, हम स्कूल में टिफिन लेकर नहीं जाएंगे'। 1 फरवरी की ठंडी सुबह। अब तक किसलय का अपहरण हुए 11 दिन हो चुके थे। 3 फरवरी 2005 को बिहार में पहले चरण की वोटिंग होनी थी। पूरे बिहार में चुनावी हलचल चरम पर थी। राबड़ी देवी की सरकार तनाव में थी, क्योंकि किसलय किडनैपिंग का मामला न केवल आम लोगों की संवेदना को झकझोर रहा था, बल्कि चुनावी माहौल पर भी सीधे असर डाल रहा था। 2 फरवरी 2005 की रात तक पूरे पटना में हर तरफ तलाश जारी थी।

इस बीच, लालू प्रसाद यादव ने पटना के एसएसपी एनएच खान को फोन किया। उनकी आवाज में गंभीरता और बेचैनी साफ थी। उन्होंने कहा, 'किसी भी हालत में बच्चा मिलना चाहिए। मैं खुद व्यक्तिगत रूप से इस मामले की निगरानी कर रहा हूं। वोटिंग होने जा रही है, अगर यह मामला समय पर हल नहीं हुआ, तो हमें बहुत नुकसान उठाना पड़ेगा।' एसएसपी खान ने तुरंत जवाब दिया, 'सर, आप चिंता न करें। हमारी टीम पूरी तरह सक्रिय है। किसी भी हालत में बच्चे को चुनाव से पहले ढूंढ निकालेंगे। हर जगह छानबीन जारी है और हमें यकीन है कि हम उसे सुरक्षित वापस लाएंगे।' उसी रात पुलिस को अचानक सूचना मिली कि किसलय को सिपारा इलाके में छिपा कर रखा गया है। एसएसपी एनएच खान ने तुरंत अपनी टीम को जुटाया। उन्होंने आदेश दिया- 'सभी सिपारा इलाके में पहुंचो और किसी भी हालत में बच्चे को सुरक्षित निकालो। कुछ भी हो जाए, उसे चोट नहीं पहुंचनी चाहिए।' पुलिस टीम धीरे-धीरे इलाके में फैल गई। घर-घर तलाशी लेना शुरू किया। गली-गली चक्कर लगाया। किसी भी आवाज और हलचल पर ध्यान रखा। सुबह के करीब 6:30 बज रहे थे। पुलिस एक पुराने मकान के कमरे तक पहुंची। भीतर से हल्की आवाज सुनाई दी। किसलय की कांपती हुई आवाज थी- 'मुझे निकालिए इसमें से, वे लोग मुझे अंदर बंद करके भाग गए हैं।' एक पुलिस वाले ने एसएसपी खान को जानकारी दी। वो तुरंत पहुंचे और कहा- 'ठीक है बेटा, चिंता मत करो, हम ताला तोड़ रहे हैं।' एक पुलिस वाला पत्थर लेकर आया। उसने कई बार ताले पर मारा। काफी जद्दोजहद के बाद ताला टूट गया। दरवाजा खोला तो किसलय था- सहमा, डर हुआ, लेकिन सुरक्षित। पुलिस ने उसे तुरंत गले लगाया, पानी पिलाया और कहा- 'अब चिंता मत करो, हम आ गए हैं। कुछ नहीं होगा।' धीरे-धीरे उसे कमरे से बाहर निकाला गया। एसएसपी खान ने कहा, 'अब हमारे साथ चलो। तुम्हारे मम्मी-पापा थाने में इंतजार कर रहे हैं।' सूरज की पहली किरणें पटना की सड़कों पर धीरे-धीरे चमक रही थीं। सुबह के 8 बज रहे थे, जब पुलिस किसलय को सुरक्षित जीरो माइल थाने लेकर पहुंची। एसएसपी एनएच खान ने तुरंत फोन उठाया और किसलय के पिता केके गुप्ता को कॉल किया। फोन की दूसरी तरफ से केके गुप्ता की बेचैन आवाज सुनाई दी- 'हां सर, बोलिए, मेरा बेटा मिल गया क्या?'

खान ने थोड़ी राहत भरी आवाज में कहा- 'हां, आपका बेटा सुरक्षित मिल गया है। कृपया थाने आएं।' केके गुप्ता ने तुरंत गाड़ी निकाली और पत्नी को साथ लिया। थोड़ी देर में वे जीरो माइल थाने पहुंच गए। थाने का दरवाजा खुला और उनके सामने किसलय खड़ा था, साथ में एसएसपी खान।

केके गुप्ता और उनकी पत्नी की आंखें भर आईं। बिना कुछ बोले उन्होंने किसलय को अपनी बाहों में भर लिया। किसलय के सुरक्षित मिलने के बाद भी पुलिस की जिम्मेदारी खत्म नहीं हुई थी। अब सबसे जरूरी काम था- अपराधियों को पकड़ना। पटना के कई इलाकों में पुलिस टीम ने छापेमारी शुरू कर दी। हर गली, हर नुक्कड़ की तलाशी ली गई। इस दौरान 10 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि मामले का आरोपी विक्की ठाकुर शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र में छिपा हुआ है। एसएसपी खान ने टीम से कहा- 'तुरंत बेली रोड के पास शास्त्री नगर के जनरमुरा आउटपोस्ट का घेराव करो'।

पुलिस ने 9 फरवरी 2005 को तड़के सुबह पटना के शास्त्रीनगर ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई, आरोपियों की पेशी हुई। मुख्य गवाह के तौर पर किसलय के पिता, केके गुप्ता और खुद किसलय कोर्ट में मौजूद था। पुलिस अधिकारी एसएसपी एनएच खान और उनकी टीम ने कॉल ट्रेस की रिपोर्ट और चार्जशीट को कोर्ट के सामने रखा। किसलय ने खुद गवाही दी, बताते हुए कि कैसे वह 13 दिन तक बंद कमरे में रहा और पुलिस के पहुंचने पर सुरक्षित महसूस किया। केके गुप्ता ने भी गवाही देते हुए बताया कि पुलिस ने मामले की जांच की हर संभव कोशिश की और हर कदम पर उन्हें जानकारी दी। एसएसपी खान ने कोर्ट में कहा, 'मामले में हमारी टीम ने बिजली की गति से काम किया। हर दिन गया। जदयू को 88 और बीजेपी को 55 सीटें मिलीं। जबकि आरजेडी 54 सीटों पर सिमट गई। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। उसके बाद हुए चुनावों में भी बीजेपी और जदयू ने लगातार जंगलराज का मुद्दा उठाया और आरजेडी को घेरा। इसका उसे फायदा भी मिला। 2005 के बाद से अबतक बिहार की सत्ता लगातार नीतीश के इर्द-गिर्द ही रही है। अपहरण और जंगल राज आरजेडी के लिए इतना बड़ा मुद्दा बना कि 2020 के चुनाव में इसके लिए तेजस्वी यादव को माफी मांगनी पड़ी। तब तेजस्वी ने कहा था- 'बिहार में राजद 15 साल तक सरकार में रहा। इस दौरान जो भी भूल या गलती हुई इसके लिए हम माफी मांगते हैं।'

## अमिताभ के साथ 'झुंड' में नजर आए एक्टर की हत्या,दोस्त ने तारों से बांधकर गला रेता, चेहरा पत्थर से कुचला, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। अमिताभ बच्चन की फिल्म 'झुंड' में नजर आए एक्टर प्रियांशु ठाकुर उर्फ बाबू रवि सिंह छेत्री की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। नागपुर के ओमसाई नगर में प्रियांशु और उनके दोस्त ध्रुव लाल बहादुर साहू शराब पी रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस हुई, जो झगड़े में बदल गई।एनबीटी की रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद आरोपी ने प्रियांशु को तारों से बांधा, धारदार हथियार से गला रेता और चेहरा पत्थर से कुचल दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रियांशु को अर्धनग्न हालत में देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 21 साल के प्रियांशु ने 2022 में अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'झुंड' में काम किया था और इसी फिल्म से उन्हें पहचान मिली थी।

फिल्म 'झुंड' का डायरेक्शन नागराज मंजुले ने किया था। यह फिल्म एक बायोपिक स्पोर्ट्स ड्रामा थी। फिल्म में स्लम सॉकर के संस्थापक विजय बरसे के जीवन को दिखाया गया था। फिल्म 4 मार्च 2022 को रिलीज हुई थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मृतक के खिलाफ चोरी, घर में तोड़-फोड़ और हमला जैसे कुल 15 मामले पहले से दर्ज थे। जबकि आरोपी ध्रुव के खिलाफ पहले से ही 5 मामले दर्ज थे। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हत्या के पीछे का असली कारण पता लगाने की कोशिश कर रही है। 4 जुलाई 2021 को ध्रुव को रेलवे यात्रियों के मोबाइल चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वहीं, नवंबर 2022 में प्रियांशु को चोरी के आरोप में नागपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

## 'ऐश्वर्या और सलमान में बहुत प्यार था',एक्स कपल के रिश्ते पर बोले म्यूजिक डायरेक्टर इस्माइल दरबार

मुंबई। म्यूजिक डायरेक्टर इस्माइल दरबार ने हाल ही में फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली के साथ अपने झगड़े पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि जब ऐश्वर्या और सलमान के झगड़े की खबरें आई थीं, तो उन्हें बहुत बुरा लगता था। विक्की लालवानी के साथ इंटरव्यू में जब दरबार से पूछा गया कि क्या सलमान को 'देवदास' में इसलिए नहीं लिया गया क्योंकि उनका ऐश्वर्या के साथ पुराना रिलेशन था, तो दरबार ने कहा, 'यह सब मीडिया में पहले ही छप चुका था। हमें भी मीडिया के जरिए ही पता चलता था। हमें अंदर से बुरा लगता था कि दोनों इतने अच्छे दोस्त हैं, दोनों में इतना प्यार है। फिर क्यों लड़ रहे हैं?'दरबार ने आगे कहा, ऐश्वर्या राय भी बहुत अच्छी हैं और सलमान भी बहुत अच्छे इंसान हैं। दोनों को देखकर अच्छा लगता था। जब लड़ते थे तो हमें बुरा लगता था। फिर धीरे-धीरे दोनों अलग हो गए। आज भी हमें बहुत बुरा लगता है। अब उन पुरानी बातों को दोहराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'आज ऐश्वर्या किसी और की पत्नी बन चुकी हैं। सलमान खुद भी इसके बारे में कभी

बात नहीं करते। वह काफी समझदार हैं और ऐश्वर्या कोई मामूली इंसान नहीं हैं, वह अमिताभ बच्चन की बहू हैं।' वहीं, दरबार ने भंसाली को लेकर यह भी कहा, 'जब मुझे काम की जरूरत थी, भंसाली ने मुझे 'हम दिल दे चुके सनम' दिया। जब उन्हें मेरी जरूरत थी, मैं सब छोड़कर उनके लिए काम करने गया। आखिरकार, वह इंडस्ट्री में मेरे गॉडफादर थे। मेरा दिल कहता है कि उनके और सलमान के रिश्ते तब बिगड़े जब उन्होंने 'देवदास' में शाहरुख को लिया। सलमान ने 'खामोशी' फ्लॉप होने के बावजूद भंसाली का सपोर्ट किया। यह तो साफ है कि अगर मैं तुम्हारी दो बार मदद करूं और तीसरी बार तुम मेरे राइवल को फिल्म में ले आओ, तो मुझे बुरा लगेगा।' दरअसल, एक वक्त था जब संजय लीला भंसाली और इस्माइल दरबार की जोड़ी को बॉलीवुड की सबसे शानदार जोड़ी माना जाता था। दोनों ने मिलकर 'हम दिल दे चुके सनम' और 'देवदास' जैसी हिट फिल्मों में काम किया था। इन फिल्मों में इस्माइल दरबार का म्यूजिक भंसाली की फिल्मों की पहचान बन गया था। लेकिन वक्त के साथ दोनों के रिश्ते बिगड़ गए। हाल ही में इस्माइल दरबार ने बताया कि भंसाली अब अहंकारी हो गए हैं और अगर उन्हें 100 करोड़ रुपए भी मिलें, तो भी वह उनके साथ काम नहीं करेंगे। दरअसल, दोनों के रिश्ते तब बिगड़े जब 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' के म्यूजिक को लेकर मीडिया में एक खबर आई, जिसका श्रेय उन्हें दिया गया।

## सारा खान ने की दूसरी शादी,एक्टर-प्रोड्यूसर कृष पाठक संग की कोर्ट मैरिज

मुंबई। 'बिदाई' और 'बिग बॉस' फेम एक्ट्रेस सारा खान फिर से शादी

के बंधन में बंध गई हैं। एक्ट्रेस ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड एक्टर-प्रोड्यूसर कृष पाठक संग रजिस्टर्ड मैरिज की है। दोनों ने 6 अक्टूबर को करीबियों के बीच अपनी शादी को रजिस्टर किया है। कपल अब दिसंबर में ग्रैंड वेडिंग सेलिब्रेशन करेगा।सारा ने इंस्टाग्राम पर शादी की खुशखबरी शेयर करते हुए कृष संग कई तस्वीरें शेयर की हैं। साथ ही एक भावुक नोट पोस्ट किया है। सारा ने लिखा- 'दो आस्थाएं। एक स्क्रिप्ट। असीम प्रेम। सिग्नेचर हो गए हैं। 'कुबूल है' से 'सात फेरे' तक इस दिसंबर का इंतजार है। दो दिल, दो संस्कृतियां हमेशा के लिए एक हो गईं। हमारी प्रेम कहानी एक ऐसे मिलन का गढ़ कर रही है, जहां आस्थाएं मिलती हैं, विभाजित नहीं होतीं। जब प्यार ही हेडलाइन बन जाए तो बाकी सब कुछ एक खूबसूरत कहानी बन जाता है। इसलिए हमें अपना आशीर्वाद दीजिए क्योंकि यह यूनियन सभी के लिए है।' सारा और कृष की शादी पर फैंस और सेलेब्स खूब बधाई दे रहे हैं। हाल ही में शादी के बंधन में 'बालिका वधू' फेम एक्ट्रेस अविका गौर ने सारा को बधाई दी है। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने लिखा- 'ओह माय गॉड। माई बेबी...बधाई।' इसके अलावा कपल को एक्ट्रेस आशका गोराडिया, किश्वर मर्चेंट, गायक अभिजीत सावंत ने भी बधाई दी है। बता दें कि सारा ने इससे पहले अली मर्चेंट से बिग बॉस-4 के घर में शादी की थी। लेकिन शादी के दो महीने के अंदर ही दोनों ने तलाक ले लिया था।

## क्या आपको पीरियड्स के समय बुखार आता है,डॉक्टर से जानें क्या है पीरियड फ्लू, किन्हें ज्यादा जोखिम, कैसे करें बचाव

नयी दिल्ली। पीरियड साइकल में काफी असहज अनुभव होता है। खासतौर पर उन महिलाओं के लिए अधिक असहज होता है, जिनका मेंस्ट्रुअल साइकल अनियमित रहता है। जिन महिलाओं को हर महीने पीरियड फ्लू होता है, उनके लिए यह अनुभव और भी ज्यादा तकलीफदेह हो सकता है। इसमें हर बार पीरियड्स में फ्लू जैसे लक्षणों का सामना करना पड़ता है। पीरियड से पहले गले में खराश, बुखार और शरीर में कमजोरी या फ्लू जैसी स्थिति होती है। पीरियड महिलाओं की जिंदगी में नेचुरल क्रिया है, लेकिन ये कई बार काफी तकलीफदेह होते हैं। इसका कोई निश्चित आंकड़ा नहीं है कि कितनी महिलाएं पीरियड्स फ्लू का सामना करती हैं। हालांकि, 90फीसदी महिलाओं को प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का सामना करना पड़ता है। लगभग इन सभी महिलाओं को पीरियड्स फ्लू के लक्षणों का सामना भी करना पड़ता है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज जानेंगे कि पीरियड्स फ्लू क्या है। साथ ही जानेंगे कि- इसके क्या लक्षण हैं? पीरियड्स फ्लू के क्या कारण हैं? इससे कैसे राहत मिल सकती है? पीरियड फ्लू क्या है? इसे मेंस्ट्रुअल फ्लू भी कहा जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है जो महिलाओं को उनके पीरियड शुरू होने से पहले, दौरान या बाद में प्रभावित करती है। भले ही यह कोई मेडिकली पुष्टि की गई बीमारी नहीं है, लेकिन यह बहुत सी महिलाओं में देखने को मिलती है। पीरियड के समय शरीर में होने वाले हॉर्मोनल बदलावों के कारण हर महिला पर अलग-अलग असर होते हैं। कुछ लोगों को पीरियड से ठीक पहले ही पीएमएस यानी प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का सामना करना पड़ता है। जबकि कुछ को पूरे पीरियड के दौरान तबीयत खराब लगती है। इसमें पीरियड फ्लू जैसे लक्षण महसूस होते हैं इसका कोई स्पष्ट आंकड़ा या वजह नहीं है कि कितनी महिलाओं में पीरियड फ्लू के लक्षण दिखते हैं, लेकिन प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम बहुत कॉमन है। लगभग 90फीसदी महिलाओं को जीवन में कभी-न-कभी पीएमएस के साथ ये लक्षण दिखते हैं। ज्यादातर मामलों में ये लक्षण हल्के होते हैं और कंट्रोल किए जा सकते हैं। पीएमएस के ज्यादा गंभीर रूप को प्री-मेंस्ट्रुअल डिस्फोरिक डिसऑर्डर कहा जाता है। यह लगभग 5फीसदी महिलाओं को प्रभावित करता है। डॉ. मितुल के मुताबिक, ये एक मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारी है, क्योंकि इससे गंभीर मानसिक तनाव हो सकता है। जिस तरह सामान्य फ्लू के कई कारण हो सकते हैं, वैसे ही पीरियड फ्लू के भी कई कारण होते हैं। इसके सबसे कॉमन कारण ग्राफिक में देखिए। 1. हॉर्मोनल बदलाव- एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन के स्तर में उतार-चढ़ाव शरीर में सूजन और इम्यून सिस्टम की प्रतिक्रिया पैदा कर सकते हैं, जिससे फ्लू जैसे लक्षण महसूस होते हैं। 2. पोषण की कमी- अगर शरीर में विटामिन डी, आयरन, जिंक या मैग्नीशियम जैसे जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो तो थकान, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। 3. तनाव-तनाव इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की चपेट में आ सकता है। 4. संक्रमण-सामान्य सर्दी-जुकाम जैसे संक्रमण पीरियड के लक्षणों को और खराब कर सकते हैं और पीरियड फ्लू जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। 5. ऑटोइम्यून डिजीज-लूपस और रुमेटॉइड अर्थराइटिस जैसी बीमारियों से पीड़ित महिलाओं में इम्यून सिस्टम की गड़बड़ी के कारण शरीर में बच्चेदानी की परत जैसा टिशू गर्भाशय के बाहर बढ़ने लगता है, जिससे भारी और दर्दनाक पीरियड, पेट फूलना और थकावट होती है। 8. एडेनोमायोसिस-इसमें गर्भाशय की परत मांसपेशियों में अंदर तक बढ़ जाती है, जिससे पीरियड के दौरान बहुत ज्यादा ब्लीडिंग और तेज ऐंठन होती है। 9. थायरॉइड की समस्या-हाइपोथाइरॉइडिज्म और हाइपरथाइरॉइडिज्म दोनों से हॉर्मोनल असंतुलन हो सकता है, जिससे पीरियड से पहले बुखार और फ्लू जैसे लक्षण आ सकते हैं। 10. दवाइयां-कुछ दवाइयां, जैसे पेनकिलर या बर्थ कंट्रोल पिल्स गले में खराश, कंपकंपी, मांसपेशियों में दर्द जैसे फ्लू के लक्षण पैदा कर सकती हैं। कैसे मिलेगी राहत-अगर आपको पीरियड फ्लू हो गया है, तो ऐसे कई आसान उपाय हैं जिनसे आप इसके लक्षणों को कम कर सकते हैं और आराम पा सकते हैं। अगर इन सुझावों पर ध्यान दें तो ये मददगार हो सकता है-पर्याप्त आराम करें: शरीर को ठीक होने के लिए पर्याप्त नींद और आराम दें। इससे थकान कम होगी और शरीर संक्रमण से लड़ पाएगा। पर्याप्त पानी पिएं: खूब सारा पानी और हर्बल चाय जैसी तरल चीजें पिएं। इससे सिरदर्द, पेट फूलना और कमजोरी जैसे लक्षण कम हो सकते हैं। गर्म सिंकाई करें: पेट के निचले हिस्से या कमर पर गर्म पानी की बोतल या हीट पैड रखने से ऐंठन और मांसपेशियों के दर्द में राहत मिलती है। दवाई लें: इबुप्रोफेन या पेरासिटामोल जैसी ओवर-द-काउंटर दवाएं दर्द और बुखार को कम करने में मदद कर सकती हैं। ट्रिगर से बचें: कैफीन, तीखा खाना और शराब जैसी चीजें पीरियड फ्लू, बदहजमी और माइग्रेन को बढ़ा सकती हैं। इनसे दूर रहना बेहतर है। हल्की एक्सरसाइज करें: अगर शरीर साथ दे तो हल्की सैर या योग करें। इससे न सिर्फ शारीरिक लक्षणों में राहत मिलती है, बल्कि तनाव और बेचैनी भी कम होती है। गले के लिए गरारे करें: अगर पीरियड से पहले गले में खराश हो रही है, तो नमक के पानी से गरारे करें लें, खासकर रात में जब दर्द ज्यादा महसूस होता है। गर्म कपड़े पहनें: अगर आपको पीरियड के दौरान बुखार या ठंड लग रही हो, तो खुद को गर्म रखें और परतों में कपड़े पहनें। ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें: अगर आपका गला सूख रहा है या जलन हो रही है, तो कमरे में ह्यूमिडिफायर लगाएं। इससे हवा में नमी बनी रहेगी और राहत मिलेगी।

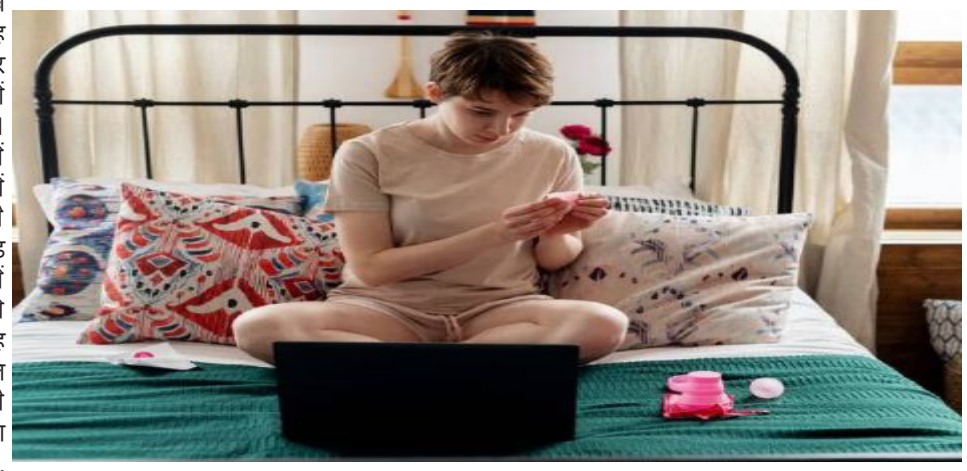

## बॉलीवुड स्टार सोनू सूद ने वायरल गर्ल को मुंबई बुलाया,मोगा की परम पहले ही 'दैट गर्ल' गाने से सुर्खियों में आई, पहला शो भी मिला

मोगा। पंजाब के मोगा की वायरल गर्ल रैपर परम को बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने मुंबई आने का न्योता दिया। उन्होंने वीडियो कॉल पर परम से बात की। जब सोनू सूद ने कहा कि मुंबई आओ, तो परम ने कहा कि वह आ रही हैं। उनका वहां एक शो है। इस पर सोनू सूद ने कहा कि चलो, यह तो और अच्छा हो गया। जल्दी मिलते हैं। यहां मुंबई में मैं तुम्हारी मदद करूंगा। तुम आगे बढ़ो। किसी भी चीज की जरूरत हो तो मुझे बताना। सोनू सूद भी मोगा के ही रहने वाले हैं और परम की तरह एक साधारण परिवार से हैं। उन्होंने मुंबई में अपनी पहचान बनाई है। बता दें कि 'परम-दैट गर्ल' टाइटल से आए उसके गाने के बाद परम को मुंबई में अपना पहला शो मिला है। दुनियाभर में अपने रैप के जरिए वायरल हो रही परम के साथ सोनू सूद की बात उनकी बहन मालविका ने करवाई। वीडियो कॉल में वे बीच-बीच में परम की उपलब्धियों को बारे में बताती हैं। मालविका ने सोनू सूद से हुई इस वीडियो कॉल की रिकॉर्डिंग को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसके साथ ही इसे सोनू सूद के इंस्टाग्राम पेज आई लव सोनू पर भी शेयर किया है। सिलसिलेवार ढंग से पढ़ें परम की कहानी- 10वीं क्लास से शुरू सिंगिंग का सफरः परम की कहानी सिर्फ एक गाने की सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संघर्ष और सपनों की मिसाल है। परम का परिवार बेहद साधारण है, मां लोगों के घरों में काम करती हैं और पिता दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। 10वीं क्लास से उन्हें म्यूजिक के साथ ग्रुप बनाया और फेसबुक पर पेज बनाकर गाने पोस्ट करने लगे। ब्रिटिश के म्यूजिक डायरेक्टर ने फेसबुक से किया संपर्कः फेसबुक का ये पेज ब्रिटिश पंजाबी म्यूजिक

का शौक हुआ। परम के गांव की महिला ने बताया कि उसके मामा जागरण में गाते थे। इससे परम को गाने का शौक हुआ। वह गली में अक्सर गुनगुनाती निकलती थी। स्कूल से कॉलेज पहुंचीं, यहां म्यूजिक सीखाः स्कूल से पैदा हुआ शौक परमजीत कौर को मोगा के डीएम कॉलेज तक खींच लाया। यहां पर इस वक्त परमजीत कौर ग्रेजुएशन कर रही हैं। यहां उन्होंने सब्जेक्ट के तौर पर म्यूजिक ले रखा है और यहीं पर म्यूजिक की प्रारंभिक शिक्षा भी ले रही हैं। यहीं पर म्यूजिक सीख रहे दूसरे साथियों प्रोड्यूसर मनी संधू को दिख गया। वह परम के गीतों से काफी बहुत प्रभावित हुए। इसके बाद परम का एड्रेस लेकर संपर्क किया। भारत आकर मनी संधू ने परम से मुलाकात की और उनका गीत शूट करने की प्लानिंग बनाई। ओपन रिकॉर्ड हुआ गीत, नेचुरल आवाज से गली गर्ल बनीः गली बॉय की तर्ज पर इस गीत को मोहाली में लोकेशन देख ओपन में शूट किया गया। इस गीत को एक बैन के अंदर माइक लगाकर शूट किया। इस गीत के टाइटल को दैट गर्ल नाम दिया गया। म्यूजिक डॉयरेक्टर संधू ने कहा कि- मैंने भी नहीं सोचा था कि ये गाना इतना बड़ा हिट होगा। मेरे ख्याल से ओपन शूट होने की वजह से इसमें नेचुरल आवाजें काफी हैं। इनको लोग परम की आवाज जितना ही पसंद कर रहे हैं और अपने करीब मान रहे हैं। 2 कमरों के घर में बीता बचपनः परमजीत के पिता के पास 2 कमरों का छोटा सा घर है। इसी में परमजीत का बचपन बीता। जिन गलियों में परम 23 सितंबर 2025 से पहली घूमती थी, आज उनमें नजर नहीं आती हैं। कारण व्यस्तता है। परम की डिमांड ही इतनी है कि वह कहीं न कहीं गई होती हैं। हालांकि उनके गली-मोहल्ले और पड़ोस के लोग मिलते हैं, वे भी परम की बात सुनते ही गर्व महसूस करते हैं। लोग परम के गीत भी गुनगुनाते हैं। गली के बच्चे-बच्चे की जुबान पर परम का गीतः भास्कर टीम दुनेके की गलियों में पहुंची तो वहां पर बच्चे-बच्चे की जुबान पर परम का गीत नी मैं अड्डी नां पताशे जावां पोरदी मिला। बच्चे परम की ही नकल कर रैपर के स्टाइल में हाथ हिलाते हैं। परम के पड़ोस के एक घर में पहुंचे तो वहां पर टीवी पर परम का ही गीत बज रहा था और बच्चे उसके साथ गुनगुना रहे थे। परम की कहानी सिर्फ एक गाने की सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संघर्ष और सपनों की मिसाल है। परम की मेहनत और पैशन ने उसे आज मोगा की गलियों से मुंबई तक पहुंचा दिया है।

## इरफान-शाहरुख से प्रेरित होकर एक्टर बने व्योम यादव,तिग्मांशु की 'गर्मी' से पहचान, अब संजय मिश्रा संग 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' में आएंगे नजर

मुंबई। वाराणसी में जन्मे और दिल्ली में पले बढ़े व्योम यादव ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद अभिनय की राह चुनी। स्कूल के दिनों से ही नुक्कड़ नाटकों में रुचि रखने वाले व्योम ने कॉलेज के दौरान एक्टिंग क्लास जॉइन की और पहली बार धर्मा प्रोडक्शन की वेब सीरीज 'गिल्टी' से शुरुआत की। तिग्मांशु धूलिया की गर्मी' वेब सीरीज ने उन्हें पहचान दिलाई। व्योम की फिल्म 'मन्नू क्या करेगा' हाल ही में रिलीज हुई है और जल्द ही संजय मिश्रा और महिमा चौधरी के साथ फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' में नजर आएंगे। आइये उनको और करीब से जानते हैं सवाल जवाब के माध्यम से- सवालः अपने बारे में कुछ बताइए? जवाबः मेरा जन्म वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में हुआ था, लेकिन बचपन में ही दिल्ली आ गया और यहीं मेरी परवरिश हुई। स्कूल की पढ़ाई दिल्ली के एक निजी स्कूल से की और फिर नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री ली। मां गृहिणी हैं और पापा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया में जॉइंट जनरल मैनेजर हैं। सवालः एक्टिंग की तरफ झुकाव कब हुआ? जवाबः छठी क्लास से ही नुक्कड़ नाटक करता था। दसवीं में बोर्ड की परीक्षा के कारण एक्टिंग छोड़नी पड़ी, लेकिन कॉलेज में दोबारा एक्टिंग क्लास जॉइन की। दोस्तों के जरिए ऑडिशन के बारे में पता चला और पहली बार ही सिलेक्ट हो गया। ट्रैवलिंग शो के पायलट एपिसोड में काम किया, लेकिन वह ऑन एयर नहीं हुआ। दिल्ली में रहते हुए ऑडिशन देता था, फिर मुंबई से भी कॉल आने लगे। 2018 के आखिर में धर्मा प्रोडक्शन की वेब सीरीज 'गिल्टी' में छोटे रोल का मौका मिला और यहीं से एक्टिंग में असली रुचि जगी।

सवालः माता-पिता का कितना सपोर्ट मिला? जवाबः शुरुआत में पापा चाहते थे कि मैं इंजीनियर या सिविल सर्विसेज में जाऊं। लेकिन कॉलेज के दौरान नुक्कड़ नाटक, ऐड वगैरह करने लगा तो उन्होंने सपोर्ट किया। पहला ऐड मिला, तब पापा को समझ आया कि यह मेरा पैशन है। पढ़ाई पूरी करने के बाद छह महीने वर्क-फ्रॉम-होम जॉब की, वह बहुत मुश्किल समय था। बिल्कुल भी आराम नहीं मिलता था। लंच ब्रेक में ही ऑडिशन बनाता था। उसी ऑडिशन के दौरान दिसंबर 2021 में तिग्मांशु धूलिया की वेब सीरीज 'गर्मी' मिल गई। वर्क इत्यादि। उनके साथ काम करना एफटीआईआई में पढ़ने जैसा था। सवालः इस शो से क्या फायदा मिला? जवाबः 'गर्मी' के बाद लोग पहचानने लगे। 'मन्नू क्या करेगा' के निर्माता ने मेरा काम उसी शो में देखा और कास्ट किया। इस तरह नए रास्ते खुलते गए। सवालः 'गर्मी' के बाद अगला प्रोजेक्ट कौन सा था? जवाबः कुछ प्रोजेक्ट मिले, लेकिन स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई तो छोड़ दिए। जल्द ही मेरी फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' रिलीज होगी, जिसमें संजय मिश्रा सर और महिमा चौधरी मैम हैं। यह एक मजेदार कहानी है, जिसमें मैं लड़की से शादी करना चाहता हूं, लेकिन उसके घर वाले कहते हैं आपके घर में कोई महिला नहीं है, तो मैं अपने पिता की शादी करवाता हूं। संजय मिश्रा सर ने मेरे पिता का किरदार निभाया है। सवालः संजय मिश्रा के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? जवाबः बेहद अच्छा। एक सीन में उन्होंने कहा, 'शोल्डर ढीले रखो, नहीं तो नेचुरल नहीं लगेगा।' इतनी बारीकी से सिखाते हैं कि बहुत कुछ सीखने मिला। उनका एक्सपीरियंस देखकर समझ में आया कि एक्टिंग में छोटे इशारे भी बड़ा फर्क डालते हैं। सवालः 'मन्नू क्या करेगा' की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा? जवाबः फिल्म की शूटिंग देहरादून के यूपीएस यूनिवर्सिटी कैंपस में हुई। हॉस्टल में रहकर किरदार में ढलना आसान हो गया। सुबह पहाड़ दिखते थे, शांति रहती थी, कोई ट्रैफिक नहीं। सवालः आपके रोल मॉडल कौन हैं? जवाबः इरफान खान की नेचुरल एक्टिंग, शाहरुख खान का चार्म, दोनों ही मेरे लिए प्रेरणा हैं। सवालः कभी कोई प्रोजेक्ट फाइनल होकर छूट गया? जवाबः हां, कई बार हुआ। एक बड़े प्रोजेक्ट में लगभग फाइनल था, पर आखिरी समय में बदल गया। अब मैंने डिटैच रहना सीख लिया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।